प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

दैनिक यूनिक समय

मथुरा से प्रकाशित

RNI-UPHIN/2023/85053

वर्ष-2 | अंक-491 | मथुरा, रविवार, 30 जून 2024 | पेज-12 | 5 रुपया

www.facebook.com/uniquesamay | twitter.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

Sweety Supari
INDIA's FAVOURITE
Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

दैनिक
यूनिक समय
मथुरा से प्रकाशित

RNI-UPHIN/2023/85053

वर्ष-2 | अंक-491 | मथुरा, रविवार, 30 जून 2024 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | twitter.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

Sweety Supari
INDIA's FAVOURITE
Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

मचा हाहाकार

कृष्णा विहार कॉलोनी में करप्शन की खुली पोल

गंगाजल की टंकी भरभरा कर गिरी

दो लोगों की मौत, नौ लोग घायल | दुपहिया वाहन दबे | टंकी का पानी हिलोरे मारते घरों में घुसा

कृष्णा विहार कॉलोनी में भरभरा कर गिरी पानी की टंकी का मलबा छाया: प्रदीप कांत मिश्रा

घटना का निरीक्षण करते डीएम शैलेंद्र कुमार सिंह और एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय आदि।

घटना स्थल पर पहुंचे डीएम शैलेंद्र कुमार सिंह और एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। कृष्णा विहार कॉलोनी में पानी की टंकी के भरभरा कर गिरने की धमक से लोग दहशतजदां हो गए। गंगाजल परियोजना के अंतर्गत बनाई पानी की टंकी ताश के पत्तों की तरह ढह जाएगी, किसी से सोचा नहीं था। टंकी के मलवे में कई लोगों समेत दो पहिया वाहन दब गए। टंकी का पानी घरों में घुस गया। अधिकारी पहुंच गए। घायलों को अस्पताल पहुंचाने के लिए एम्बुलेंस भी आ गई। जिला अस्पताल में डॉक्टरों की टीम को अलर्ट कर दिया। करीब नौ लोग घायल हुए हैं। दो लोगों की मौत हो गई है। इनके घरों में कोहराम मचा है।

महर्षि दयानंद सरस्वती जिला अस्पताल में भर्ती घायल।

जानकारी के अनुसार बीएसए इंजीनियरिंग कॉलेज के आगे कृष्णा विहार कॉलोनी है। कॉलोनी के सेक्टर दो में गंगा जल परियोजना अंतर्गत पानी की टंकी वर्ष 2021 में बनाई गई थी। यह टंकी आज सायं को यकायक भरभरा कर गिर पड़ी। टंकी गिरने की आवाज से लोग चौंक गए। घरों से बाहर निकले तो माजरा समझते देर नहीं लगी। टंकी का पानी घरों के अंदर हिलोरे मारते हुए घुस गया। आशंका जाहिर की गई है कि कई लोग मलवे में दब गए हैं। लोगों का कहना है कि इस टंकी से पानी निरंतर टपकता रहता था। कर्मचारी आते थे और टपकते पानी को नजरादांज करके चले जाते थे। इसका परिणाम यह हुआ कि पानी की टंकी भरभरा कर गिर पड़ी। बड़ा हादसे की सूचना से पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों में खलबली मच गई।

कृष्णा विहार कॉलोनी में मलबे को हटाती जेसीबी।

कृष्णा विहार कॉलोनी में टंकी गिरने के बाद मौके पर पहुंचे स्थानीय लोग।

डीएम शैलेंद्र कुमार सिंह, एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय, एसपी सिटी डॉ. अरविंद कुमार सिंह, नगर निगम के आयुक्त शशांक चौधरी समेत अन्य अधिकारी घटना स्थल पर पहुंच गए। अधिकारियों ने घटना स्थल का जायजा लिया। एम्बुलेंसों से घायलों को महर्षि दयानंद सरस्वती जिला चिकित्सालय पहुंचाया। मलवे में दबे लोगों की आशंका पर जेसीबी से मलबा साफ कराने का कार्य युद्ध स्तर पर शुरू हो गया। डीएम शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि बचाव कार्य युद्ध स्तर पर प्रारंभ करा दिया गया है। कई टीम लगी हुई हैं। अभी मलबा हटाने का काम चल रहा है।

महर्षि दयानंद सरस्वती जिला अस्पताल में भर्ती कराए घायलों में सरस्वती, गौरी, दीपेद्र, महावीर, देवी गोस्वामी, प्रिंस गोस्वामी, रमेश चंद शर्मा, कमलेश एवं प्रेमवती शामिल हैं। मरने वालों में एक की शिनाख्त सरिता पत्नी दिनेश समेत दो लोगों की मौत हो गई है।

मुख्यमंत्री ने रिपोर्ट तलब की

यूनिक समय, मथुरा। कृष्णा विहार कालोनी में गंगाजल परियोजना गिरी पानी की टंकी का मामला मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक पहुंच गया। उन्होंने पूरी रिपोर्ट तलब की है। बताया जाता है कि आगरा की एक फर्म ने इस टंकी का निर्माण करीब छह करोड़ रुपये में कराया था।

GLA UNIVERSITY MATHURA
Accredited with A+ Grade by NAAC
12-B Status from UGC
26 Years EDUCATIONAL EXCELLENCE
ADMISSIONS OPEN 2024-25
Pharm D*
(Doctor of Pharmacy)
A Job-Oriented Pharmacy Course Launched from the Session 2024-25
*PCI Approval Under Process

Course Eligibility:
Passed 10+2 examination with PCB/ PCM with at least 60% marks.
Duration: 6 Years
- Expertise in patient-centered care and medication management
- High demand for clinical pharmacists in healthcare settings
- Opportunities for specialization in various therapeutic areas
- Leadership roles in healthcare policy and administration

RANK 54 IN INDIA nirf NATIONAL INSTITUTIONAL RANKING FRAMEWORK
Campus:
17km Stone, NH-19, Mathura-Delhi Road,
P.O. Chaumuhan, Mathura-281406 (U.P.) India
+91-9027068068
admission@gla.ac.in | www.gla.ac.in
EMPOWER YOUR GROWTH WITH GLA ONLINE | Find details at online.gla.ac.in

रेलवे कर्मी ही मथुरा जंक्शन की सुंदरता को लगा रहे हैं पलीता

मथुरा जंक्शन पर नार्दन रेलवे कर्मचारी संघ के चुनाव के बैनर, पोस्टर व झंडिया लगी हुई।

मथुरा जंक्शन के मुख्य एंट्री गेट पर खराब पड़ी तीनों मेटल डिटेक्टर मशीन।

गिरधारी लाल श्रोत्रिय

यूनिक समय, मथुरा। सांसद हेमामालिनी द्वारा मथुरा जंक्शन को सुंदर व आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाने की पहल निरंतर की जा रही है। वहीं रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी यहां की व्यवस्थाओं का रख रखाव ढंग से नहीं रख पा रहे हैं। रविवार की दोपहर को ऐसा ही नजारा मथुरा के रेलवे जंक्शन पर दिखाई दिया।

नार्दन रेलवे के एक कर्मचारी संगठन का चुनाव 26 जून को हुआ था। उसके बैनर–पोस्टर व झंडिया मथुरा जंक्शन के प्लेटफॉर्मों पर अभी तक लगे हुए हैं। इनको चार दिन बाद भी नहीं हटाया गया है। प्लेटफॉर्म की दीवार पर पोस्टर व बैनर चिपकाए गए हैं। झंडी को रास्तों में टांगा गया है। इससे जंक्शन भद्दा लग रहा था। इनको हटवाने के लिए रेलवे कि किसी

सांसद के जंक्शन के सौंदर्यीकरण के प्रयासों को लग रहा है झटका

रेलवे के अधिकारी व कर्मचारियों का ध्यान नहीं

अधिकारी ने प्रयास नहीं किए। न ही रेलवे पुलिस ने कोई कार्यवाही की है।

मथुरा जंक्शन के प्लेटफॉर्म पर विजली व्यवस्था सुधारने के लिए लाइन विछाते कर्मचारी।

जंक्शन की सुरक्षा खराब मेटल डिटेक्टर मशीन के हवाले

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन के मुख्य गेट पर लगी सामान के बैग चेकिंग मशीन के पास तीन मैटल डिटेक्टिव मशीन लगी हुई है। ये मैटल डिटेक्टिव मशीन काफी दिन से खराब है। यह जंक्शन की सुरक्षा में बड़ा छेद है। इसका उपयोग न होने से कोई भी संदिग्ध व्यक्ति आसानी से हथियार या बम्ब लेकर जंक्शन के प्लेटफॉर्म पर पहुंचकर कोई बड़ी घटना को अंजाम दे सकता है।

जंक्शन की विद्युत लाइन बदलने का कार्य शुरू

यूनिक समय, मथुरा। आगामी दिनों में मुड़िया पूर्णिमा, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व अन्य त्यौहार आएंगे। ऐसे में ब्रज में भारी संख्या में यात्री ट्रेनों द्वारा आएंगे। इसे ध्यान में रखते हुए रेलवे द्वारा मथुरा जंक्शन पर खराब पड़ी विद्युत लाइनों को बदलने का कार्य शुरू करा दिया गया है। ताकि जंक्शन पर यात्रियों को रात्रि के समय कोई असुविधा नहीं हो।

सीए दिवस पर गत वर्ष बने नए चार्टर्ड अकाउंटेंट का सम्मान

राधिका विहार स्थित सीए भवन में नए सम्मानित चार्टर्ड अकाउंटेट।

यूनिक समय, मथुरा। राधिका विहार स्थित सीए भवन पर गत वर्ष बने सभी चार्टर्ड अकाउंटेंट का सम्मान किया गया। ब्रांच सचिव सीए रवि अग्रवाल ने बताया कि गत वर्ष में लगभग 80 नए चार्टर्ड अकाउंटेंट मथुरा सीए परिवार से जुड़े है। सीए एसोसिएशन ने सभी नवीन चार्टर्ड एकाउंटेंट्स को सर्टिफिकेट प्रदान करके सम्मानित किया। कार्यक्रम की शुरुआत ब्रांच चेयरमैन सीए मुकुल शर्मा, सचिव सीए रवि अग्रवाल, सेंट्रल कॉउंसिल मेंबर्स सीए अभय छाछड़ ने माँ सरस्वती के सामने दीप प्रज्ज्वलित करके की।

मुख्य अतिथि सेंट्रल कांउन्सिल मेंबर्स सीए अभय छाछड़ और सीए अनुज कुमार गोयल ने नए मेंबर्स को सीए प्रोफेशन में आने वाले नए अवसर, आर्टिफिशल इंटेलीजेंस आदि के बारे में बताया। नए मेंबर्स के अभिभावकों के त्याग की भी सराहना की। इस मौके पर सेंट्रल कांउन्सिल मेम्बर सीए ज्ञानचंद्र मिश्रा, सीए नितिन गुप्ता, सीए राजीव गुप्ता, कोषाध्यक्ष सीए अनुराग खंडेलवाल, सीए रोहित कपूर, सीए राहुल चौधरी, सीए सुन्दना खंडेलवाल, सीए के के अग्रवाल, सीए अमित कुमार अग्रवाल एवं सीए वैभव गर्ग आदि उपस्थित थे।

युवान CLINIC & DIAGNOSTICS

डॉ. सौरभ सिंह ताल्यान
M.B.B.S., M.D. (Paediatrics)
नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
पूर्व चिकित्सक : बृज चिकित्सा संस्थान दरेसी, मथुरा
: IOCL मथुरा रिफाइनरी हॉस्पिटल : AIIMS (Ex Senior Resident)
डॉ. हिमानी दहिया
M.B.B.S., M.D. (Pathology)
पूर्व चिकित्सक : K.D. Medical College, Mathura
: AIIMS (Ex Senior Resident)
• बच्चों के सभी प्रकार के टीकाकरण (वैक्सीनेशन) की सुविधा उपलब्ध ।
• नवजात शिशु से लेकर 18 वर्ष तक के सभी बच्चों की बीमारी का इलाज ।
• खून, पेशाब, हार्मोन्स एवं सभी प्रकार की जाँच रियायती दरों पर।
• घर से सेम्पल लाने की सुविधा उपलब्ध ।
मधु एन्कलेव, पालीखेड़ा, सौंख रोड, मथुरा / मो. 9520033690

पिता दो बेटों के साथ करता है वाहन चोरी

चोरी की गई बलेनो बरामद

फर्जी नंबर प्लेट लगा कर दूसरे जनपदों में करते थे वारदात

दोनों बेटे इस समय एटा जेल में निरुद्ध हैं

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। शेरगढ़ पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले बाप बेटों के गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने चोरी की बलेनो कार के साथ बाप को गिरफ्तार किया है। दोनों बेटे पहले ही लूट के मामले में एटा की जेल में बंद हैं।

एसपीआरए त्रिगुण बिसेन ने बताया कि थाना शेरगढ़ चौराहे से 18 जून को एक बलेनो कार चोरी हुई थी। पुलिस कार चोरी होने के बाद उसके बारे में जानकारी जुटा रही थी। पुलिस को कल रात चोरी हुई कार के बारे में जानकारी मिली। इस जानकारी पर थाना प्रभारी शेरगढ़ नीरज सिंह भाटी ने उप निरीक्षक संदीप सिंह व मौहम्मद बिलाल और पुलिस फोर्स को साथ लेकर शेरगढ़ मंझौई रोड पर रामपुर गांव के बंद पड़े भट्टे के समीप से बलैनो कार के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अभियुक्त एसीनगर क्यू ब्लॉक नीलम फ्लाईओवर के नीचे एनआईटी कोतवाली फरीदाबाद निवासी सुनील को गिरफ्तार कर लिया। सुनील ने बताया कि कार को शेरगढ़ चौराहे से उसने अपने बेटे इंद्र कुमार उर्फ इंदल व शनि उर्फ रोहन के साथ मिलकर चोरी की थी। कार पर फर्जी नंबर प्लेट लगाने के बाद कई अन्य जनपदों में अपराधिक घटनाओं में प्रयोग किया है। पुलिस को सुनील ने बताया कि कासगंज जनपद एटा पुलिस इंद्र कुमार उर्फ इंदल व शनि उर्फ रोहित को एक लूट की घटना में पकड़ कर 25 जून को ले गई है। दोनों एटा की जेल में बंद है। कार से फर्जी नंबर प्लेट भी बरामद हुई है।

कार चोरी करने के मामले में पकड़े गए अभियुक्त के बारे में जानकारी देते एसपीआरए त्रिगुण बिसेन।

ठाकुर गोदारंगमन्नार भगवान का ज्येष्ठाभिषेक

उत्तर भारत के प्रसिद्ध रंगनाथ मंदिर में ठाकुर गोदारंगमन्नार भगवान का ज्येष्ठाभिषेक करते सेवायत।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। दक्षिणात्य शैली के श्री रंगनाथ मन्दिर में नित्योत्सव की श्रृंखला में ज्येष्ठ मास कृष्णपक्ष की नवमी तिथि के साथ रेवती नक्षत्र के संयोग पर ज्येष्ठाभिषेक का दिव्य आयोजन किया गया। रविवार को ठाकुर गोदारंगमन्नार भगवान को गर्मी से राहत प्रदान करने के उद्देश्य से महाभिषेक वैदिक विधि विधान से किया गया।

इक्यासी रजत कलशों से जलाभिषेक किया गया। इसमें केसर, कपूर, नवांग हल्दी, चन्दन, जड़ी बूटियों मिश्रित जल के अलावा विभिन्न फलों के रस व आम के रस से भी ठाकुरजी का अभिषेक किया गया। उत्सव प्रातः दस बजे वैदिक मंत्रोच्चारण के मध्य शुरू हुआ। अभिमंत्रित रजत कलशों को नौ–नौ की कतार में स्थापित कर देश की पवित्र नदियों का आह्वान किया गया। आगम पंचरात्र पद्वति से पूजन प्रक्रिया में गौ दुग्ध, दही, घृत, मधु, शर्करा, इत्र इत्यादि पंचगव्य से अभिषेक शुरू किया गया। वेदपाठी विद्वानों ने श्री सूक्त, पुरुषसूक्त, वेंकटेश स्त्रोत, गुरूपरम्परा, श्री वरद वल्लभ स्त्रोत का सस्वर पाठ किया जा रहा था। जिससे आध्यात्मिक वातावरण की अनुभूति हो रही थी। ठाकुर गोदा रंगमन्नार भगवान के चल श्री विग्रह को मंडपम में विराजित कर सूती परिधान धारण कराकर वैदिक मंत्रोच्चार करते हुए जलाभिषेक प्रारम्भ किया।

लगभग तीन घण्टे तक अभिषेक की प्रक्रिया अनवरत जारी रही। तदोपरांत ठाकुरजी को नवीन वस्त्राभूषण धारण कराकर कुंभ आरती उतारी गयी।

इस अवसर पर सेवायत राजू स्वामी, रंगा स्वामी, वासु स्वामी, सीईओ अनघा श्री निवासन, मुख्य प्रबंधक आर.कृष्णन, सुधा कृष्णन, कन्हैया, तिरुपति राव एवं चक्रपाणि मिश्रा आदि मौजूद थे।

व्यापारियों में दानवीर भामाशाह की प्रेरणा कूट कूट कर भरी है

भामाशाह जयंती मनाते फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया व्यापार मंडल के पदाधिकारी।

फेम ने मनाई दानवीर भामाशाह की जयंती

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया व्यापार मंडल के बैनर तले व्यापारी बन्धुओं ने भामाशाह जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। प्रदेश कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने भामाशाह के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। जिला महामंत्री सुभाष सैनी ने कहा कि आज भारत का व्यापारी समाज कदम कदम पर सरकार का हर प्रकार का सहयोग करता है। हर आपदा में व्यापारी मदद के लिये आज भी सबसे आगे रहते हैं। जिला उपाध्यक्ष रामदास चतुर्वेदी ने कहा कि सदैव की तरह खुदरा व्यापारी राष्ट्र की समृद्धि के लिए रीढ़ की हड्डी के रूप में कार्य करता है। जिस देश में व्यापारी वर्ग समृद्ध होता है वह राष्ट्र समृद्ध राष्ट्र माना जाता है। महानगर अध्यक्ष रास बिहारी अग्रवाल ने कहा कि भामाशाह की जयंती पर हमें संगठित रहकर कार्य करने की प्रेरणा लेनी चाहिये। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष रासबिहारी अग्रवाल, अभिनव गोयल ,पवन कुमार, लवी गोयल, चिराग मीणा, मुकेश पंडित, बंशी यादव तथा अरविंद चोधरी आदि उपस्थित थे।

बारह दिन पहले आए तूफान की जद में आई महिला की मौत

महिला अपने बच्चों के साथ टीन के नीचे बैठी हुई थी

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। बलदेव इलाके में 12 दिन पहले आए तूफान में दीवार गिरने से घायल हुई महिला की रविवार को प्रातः मौत हो गई। महिला की मौत से परिवार के लोग बेहद दुखी हैं।

गौरतलब है कि 19 जून की सायं को अचानक आए आंधी तूफान के दौरान छत्रपाल की पत्नी ओमवती घर के अंदर दीवार पर पड़ी टीन के नीचे बच्चों के साथ बैठी हुई थी। तेज हवाओं को चलते देख पड़ोस की महिला ने ओमवती से कहा कि बच्चों को लेकर वहां से निकल जा। बच्चे तो जैसे तैसे वहां से भाग निकले, लेकिन इसी बीच दीवार भर–भरा कर ओमवती पर गिर गई। दीवार के मलबे में ओमवती के दबने का पता लगने पर परिवार और आस–पास के लोगों ने किसी तरह उसे बाहर निकाला। ओमवती उस समय तक बुरी तरह से घायल हो चुकी थी। उसकी दोनों टांगे टूट गई थी। परिवार के लोग उसे इलाज के लिए आगरा ले गए। आगरा में इलाज कराने के बाद घायल ओमवती को परिवार के लोग गांव ले आए। बताया गया कि आज तड़के ओमवती की मौत हो गई। पुलिस को भी इस बारे में बताया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिवार के लोगों ने बताया कि तूफान से होने वाले नुकसान आदि की जांच करने के लिए राजस्व विभाग के अधिकारियों की टीम ने भी घायल के बारे में जानकारी की थी।

किसी सदस्य के साथ अन्याय नहीं होगा

यूनिक समय, मथुरा। सेन्ट्रल रेलवे मजदूर संघ के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण बाजपेई व डॉ आर पी भटनागर के संरक्षण में ईसीसी सोसाइटी प्रगतिशील पैनल को शेयर होल्डर को मिले सराहनीय योगदान के लिए आभार प्रकट किया है। कहा है कि सभी के हितों की रक्षा करना कर्तव्य बनता है। किसी भी सदस्य के साथ अन्याय नहीं होगा।

श्रीमद्भागवत गीता भारतीय संस्कृति की धरोहर है

वृन्दावन शोध संस्थान में आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते अतिथि।

यूनिक समय, वृंदावन। ब्रज संस्कृति भारतीय संस्कृति का मूल है। समस्त विश्व ने आज ब्रज के महत्व को पहचाना है। यह विचार टैगोर फैलोशिप से सम्मानित डॉ. प्रदीप जैन ने वृन्दावन शोध संस्थान में आयोजित संगोष्ठी 'ब्रज संस्कृति वैश्विक संदर्भ में' पर व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत गीता भारतीय संस्कृति की धरोहर है। श्रीकृष्ण ने गीता जैसा ग्रंथ जगत के कल्याणार्थ दिया। पांडुलिपिविद् डॉ. देवेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि ब्रज का लोक क्षेत्र केवल ब्रज चैरासी कोस तक ही नहीं, अपितु समस्त विश्व में व्याप्त है। आचार्य वृंदावन विहारी ने कहा कि प्रसिद्ध पाश्चात्य विद्वान सीएम जोड ने सभी विश्व की एक ही सभ्यता मानी है। सभ्यता मानव शरीर के समान है जिसमें संस्कृति रूपी आत्मा निवास करती है। डॉ. मनोजमोहन शास्त्री ने कहा कि श्रीकृष्ण सबसे बड़े पर्यावरण संरक्षक थे। उनकी लीलाओं से पर्यावरण की शुद्धि की विधा का ज्ञान भी होता है। शासी परिषद सदस्य उदयन शर्मा ने आभार जताया। अतिथियों का स्वागत प्रशासनिक अधिकारी रजत शुक्ला ने किया। संचालन डॉ. राजेश शर्मा ने किया।

लोगों की नजर आसमान पर, शाम को बरसे बादल

बारिश के बाद वृंदावन में जल भराव का नजारा।

वृंदावन में बारिश के दौरान योगा करता एक बालक आदित्य।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। रविवार को सायं के वक्त हुई बारिश से मथुरा–वृंदावन के कई इलाकों में जल भराव की स्थिति बन गई। वृंदावन में बच्चों ने बारिश का खूब आनन्द लिया।

घरों की छत और घर के बाहर निकलकर बारिश में उछल कूद की। हालांकि आज सुबह से आसमान में बादल छाए हुए थे। भगवान भास्कर के दर्शन हुए, लेकिन कुछ समय के लिए। दिन ढलने से पहले आसमान में छाए बादल जिले के कई हिस्सों में बरसे, कहीं अधिक और कही कम।

पुलिस लाइन के सभागार में सेवानिवृत्त हुए पुलिस कर्मियों को सम्मानित करते एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय।

निरीक्षक सहित आधा दर्जन पुलिसकर्मी हुए सेवानिवृत्त

एसएसपी ने उनके सेवाकाल को सराहते हुए किया सम्मान

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जनपद में तैनात आधा दर्जन पुलिसकर्मी अपनी सेवा का कार्यकाल पूर्ण कर लिए जाने पर सेवानिवृत हो गए।

पुलिस लाइन के सभागार में सेवानिवृत्त हुए निरीक्षक अरुण सिंह, उप निरीक्षक जयपाल सिंह, उप निरीक्षक विनोद दीक्षित, मुख्य आरक्षी फतेह सिंह, श्री कृष्ण व राजेंद्र सिंह को एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय ने विभाग में दी गई बेहतरीन सेवा के लिए उनकी प्रशंसा की इसके साथ ही माल्यार्पण कर प्रशस्ति एवं उपहार भेंट किए।

विष्णु शहीद दौड़ में, चंचल व गोपाल बने लंबीकूद में विजेता

शहीद राजा देवी सिंह की स्मृति में आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ी।

शहीद स्थल पर बनाएंगे बरामदा और करेंगे लाइटिंग की व्यवस्था : राजकुमार

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। अमर शहीद राजा देवी सिंह की स्मृति में पुष्पांजलि, खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। नगर पंचायत राया के चेयरमैन राजकुमार अग्रवाल ने शहीद स्थल पर बरामदा बनाने तथा लाइटिंग की व्यवस्था करने की घोषणा की। रविवार को हुई दौड़ प्रतियोगिता के विष्णु तथा लंबी कूद के गोपाल सिंह एवं चंचल विजेता बने।

अमर शहीद राजा देवी सिंह स्मृति समिति अचरू लधौरा के संयोजक इंजीनियर योगेंद्र पाल सिंह की ओर से आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रमों में सैकड़ों भक्तों ने शहीद का वन्दन, नमन किया और पुष्प चढ़ाए। तीन किलोमीटर की दौड़ में 105 युवाओं ने भाग लिया। विष्णु इगलास ने 9.55 मिनट में दौड़ पूरी कर 2100 रुपये, द्वितीय गौरव पटलोनी बलदेव ने 1100 रुपये तथा तृतीय देवेन्द्र कुरसंडा महामाया नगर ने 550 रुपये का नगद इनाम जीता। लंबी कूद में 20.9 फुट छलांग लगा गोपाल कुरसंडा प्रथम, द्वितीय सचिन व तृतीय विष्णु मोहनगढ़ी इनाम के हकदार बने। आयोजक इंजीनियर योगेन्द्रपाल सिंह, ओमवीर सिंह, गुरेन्द्र सिंह, यदुवीर सिंह, कुं. शिवओम सिंह, रुद्रप्रकाश सारस्वत, किशन सिंह, कृपाल सिंह, पंकज शर्मा, कोमल सिंह, भूपेन्द्र सिंह, जितेंद्र सिंह ने विजेताओं को इनाम दिए। जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम दिल्ली के कोच नरेंद्र ने युवाओं को गाइड किया। नशीली वस्तुओं के सेवन से दूर रहने की शिक्षा दी।शहीद उत्सव में उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद के नेता डॉ. देवप्रकाश शर्मा, कालीचरन शर्मा, कोतवाली प्रभारी अशोक कुमार, डीसीएस ग्रुप चेयरमैन ओमप्रकाश सिंह, मनोज शर्मा, राजेंद्र सिंह एडवोकेट, सुभाष सिंह, दर्याव सिंह, इं. जयवीर सिंह आदि उपस्थित थे। संचालन भोलेश्वर उपमन्यु ने किया।

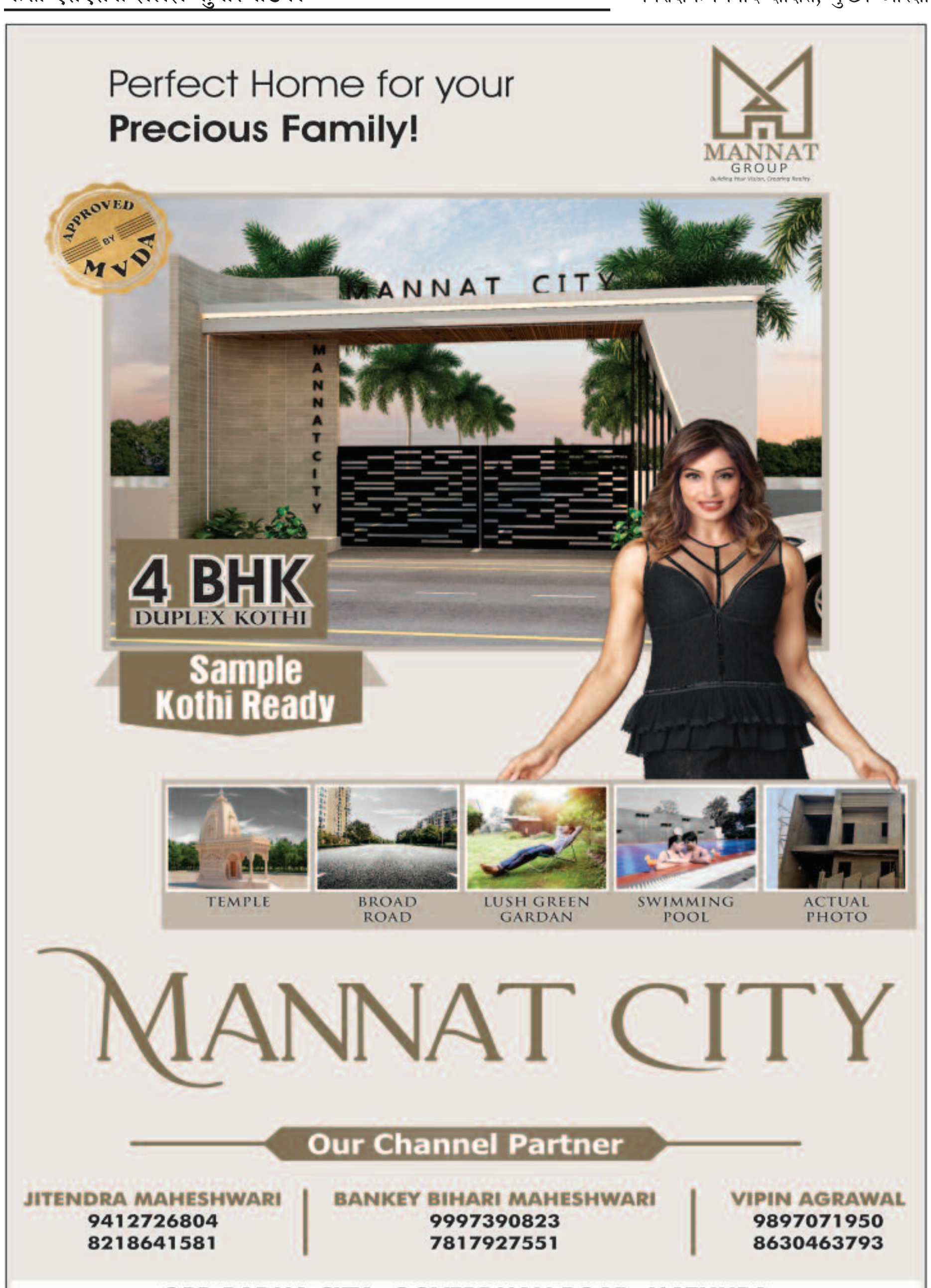

कारागार अधीक्षक सहित जेलर व डिप्टी जेलर स्थानांतरित

यूनिक समय, मथुरा। शासन ने मथुरा कारागार में तैनात कारागार अधीक्षक सहित तीन अधिकारियों के स्थानांतरण कर दिए हैं। मथुरा कारागार पर तैनात कारागार अधीक्षक बृजेश कुमार का स्थानांतरण कारागार गौतमबुद्धनगर कर दिया गया है। इसके साथ ही जेलर महा प्रकाश सिंह का स्थानानंतरण मथुरा कारागार से कारागार इटावा व डिप्टी जेलर शिवानी यादव का स्थानांतरण मथुरा से गाजियाबाद कारागार के लिए किया गया है।

मुख्य कर निर्धारण अधिकारी का तबादला

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा वृंदावन नगर निगम में तैनात मुख्य कर निर्धारण अधिकारी शिवकुमार गौतम का शासन ने तबादला कर दिया है। शासन ने उन्हें इसी पद पर मेरठ नगर निगम में तैनात किया है।

उनके स्थान पर नगर पालिका परिषद बड़ौत में तैनात नरेंद्र यादव को नई तैनाती मिली है।

गैस सिलेंडर कनेक्शन की केवाईसी कराना आवश्यक

यूनिक समय, वृंदावन। घरेलू गैस सिलेंडर अब बिना केवाईसी के नहीं मिलेगा। हर उपभोक्ताओं को अपने कनेक्शन का केवाईसी कराना आवश्यक है। वृंदावन गैस एजेंसी के प्रबंधक कृष्ण चंद जैन ने एजेंसी से जुड़े उपभोक्ताओं को अपने कनेक्शन की केवाईसी कराने की अपील की है।

अभियंता एसके जैन बने मुख्य अभियंता

मथुरा मे तैनात अधीक्षण अभियंता को मिला प्रमोशन

यूनिक समय,मथुरा। लखनऊ/आगरा दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम में तैनात अधीक्षण अभियंता संजय कुमार जैन का प्रमोशन मुख्य अभियंता पद पर हो गया है। अब तक वह मथुरा जोन में मुख्य अभियंता के पद की जिम्मेदारी संभाले हुए हैं। विभागीय चयन समिति की सिफारिश पर आदेश उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष ने जारी किया है।

पंचायत में साधु–संतों, बृजवासियों ने लिया फैसला

कुमार स्वामी सात दिन में माफी मांगे

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय,मथुरा। संपूर्ण विश्व के आराध्य भगवान श्री कृष्ण को चरित्रहीन बताने वाले कुमार स्वामी के खिलाफ ध्रुव नारायण मंदिर, महोली पर महापंचायत हुई। पंचायत में सभी सनातनी हिंदुओं और बृजवासियों ने भाग लिया।

श्री कृष्ण जन्म भूमि मंदिर का केस लड़ रहे दिनेश शर्मा फलाहारी ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण को चरित्रहीन कहने से पहले इसकी जिव्या क्यों नहीं गल गई। यह व्यक्ति नहीं जानता कि भगवान श्री कृष्णा और राधा और गोपियों का जो आत्म प्रेम था, उस भाव को यह क्या समझेगा। उस भाव को उद्धव गोपी संवाद में लिखा हुआ है, जिसमें वर्णन हुआ है, इस भाव को अच्छे–अच्छे ज्ञानी नहीं समझ पाए, तो ये अज्ञानी कुमार स्वामी क्या समझेगा, जिला अध्यक्ष गुंजन शर्मा ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण के बारे में गलत बयान कहने वाले को बृजवासी माफ नहीं करेंगे। महानगर अध्यक्ष नरेश ठाकुर ने कहा कि वह होता कौन है हमारे भगवान के बारे में गलत बोलने वाला। हमारे भगवान के नाम से ही खाता है,भगवान के बारे में गलत बोलता है। विश्व हिंदू परिषद के नेता जय नारायण शर्मा ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण के बारे में गलत बोलने वाले को हम माफ नहीं करेंगे। इस मौके पर प्रवक्ता राजेश पाठक, प्रदेश मंत्री राजेश शास्त्री, प्रदेश मंत्री कमला रावत, भाजपा नेता विनोद पांडे ने विचार व्यक्त किए।

महोली रोड स्थित ध्रुव नारायण मंदिर में कुमार स्वामी के खिलाफ पंचायत करते साधु संत।

कृष्णा पुरम में कथा श्रवण करने पहुंचे विधायक

कृष्णापुरम में आयोजित कथा के दौरान विधायक श्रीकांत शर्मा, भाजपा महानगर अध्यक्ष घनश्याम सिंह लोधी आदि।

यूनिक समय, मथुरा। कृष्णापुरम युवा मंडल के बैनर तले श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन में रुकमणि विवाह प्रसंग में कथा व्यास योगेश कृष्ण शास्त्री के साथ संत सुतीक्षण दास (सुदामकुटी वृंदावन), डॉ. मनोज मोहन शास्त्री, संजीव कृष्ण ठाकुर, आचार्य अखिलेश गौड एवं बाबा कैलाश दास आदि भी शामिल हुए।

मथुरा–वृंदावन क्षेत्र के विधायक श्रीकांत शर्मा और भाजपा महानगर अध्यक्ष घनश्याम सिंह लोधी ने व्यास पीठ का पूजन किया। डॉ. अशोक अग्रवाल ने युवा मंडल के अध्यक्ष इंजीनियर विधान दीक्षित के प्रयास को सराहा। इस मौके पर राजा दीक्षित, विजय शर्मा, रामगोपाल शर्मा, सुभाष तिवारी, विशाल शर्मा (टिंकू भैया), अनिल आनंद, अजय सक्सेना, शिवांग अग्रवाल, सुमित (गोयल बुक), विष्णु अग्रवाल एवं गोपाल वर्मा आदि उपस्थित थे।

मुड़िया मेले को लेकर आरपीएफ और जीआरपी तैयार

यूनिक समय मथुरा। राजकीय रेलवे पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारियों ने गोवर्धन में शुरू होने वाले मुड़िया मेले को लेकर स्टेशन और ट्रेनों से आने वाले यात्रियों की सुरक्षा को लेकर व्यवस्थाओं की समीक्षा शुरू कर दी है। मुड़िया मेले पर देश भर से करोड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं का आवागमन होगा। श्रद्धालु मथुरा के सभी दर्शनीय स्थलों पहुंचेंगे। श्रद्धालु मुड़िया पूर्णिमा पर गोवर्धन में गिरिराज जी की परिक्रमा करेंगे। मेले में करोड़ों की संख्या में जिस तरह लोग आएंगे, उसी तरह चोर उचक्के भी वारदातों को अंजाम देने के लिए मथुरा व गोवर्धन पहुंचेंगे। श्रद्धालुओं को किसी तरह की असुविधा न हो इसके साथ ही उनकी सुरक्षा के मद्देनजर 15 से 22 जुलाई तक चलने वाले मेले को लेकर मथुरा जंक्शन, कैंट रेलवे स्टेशन, गोवर्धन रेलवे स्टेशनों सहित अन्य स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई जाएगी। इस संबंध में थाना प्रभारी जीआरपी संदीप तोमर ने बताया कि पिछले साल मेले में जितना फोर्स आया था। इस बार उससे अधिक 350 पुलिसकर्मियों की मांग की गई है। इसके साथ ही स्टेशन पर पूर्व में जहां-जहां घटनाएं हुई थी उनकी समीक्षा की जा रही है। इसके साथ ही श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए कहां-कहां फोर्स को तैनात किया जाएगा इसके बारे में समीक्षा की जा रही है।

आरपीएफ के निरीक्षक अवधेश गोस्वामी ने बताया कि मुड़िया मेले में बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाएगा। इसके बारे में समीक्षा की जा रही है। उन्होंने भी मेले को लेकर 200 से अधिक स्टाफ की मांग की है। आरपीएफ के स्टाफ को कहां-कहां तैनात किया जाएगा इसके बारे में समीक्षा की जा रही है।

भूतेश्वर रेलवे पुल पर खड़ी मालगाड़ी के नीचे से निकलते लोग।

मथुरा में जिंदगी दांव पर

ट्रेनों के नीचे से होकर निकल रहे हैं लोग

महेश वार्ष्णेय

यूनिक समय, मथुरा। जान जोखिम में डालकर लोग ट्रेनों के नीचे होकर निकलने में हिचकते तक नहीं है। भले ही ट्रेन के नीचे आकर अपनी जान क्यों न गंवा दे। ऐसे नजारे भूतेश्वर रेलवे पुल पर दिखाई दिए। लोग जल्दबाजी के चक्कर में अपनी जान की बजी लगाकर रेल लाइन को पार कर रहे हैं। आखिर इस जगह पर क्या आरपीएफ या जीआरपी की नजर नहीं हैं।

भूतेश्वर रेलवे पुल से दिन भर बड़ी संख्या में लोग लाइन पार करते देखे जाते हैं। लेकिन इस स्थान पर कभी-कभी मालगाड़ी और एक्सप्रेस ट्रेन खड़ी हो जाती हैं। इस कारण लोग जल्दबाजी में खड़ी ट्रेनों के नीचे से होकर निकलने में अपनी शान समझते हैं। ऐसे लोगों को इस बात से कोई मतलब नहीं होता है कि उनकी जान जा भी सकती है। परिवार जिंदगी भर रोता रहेगा। रविवार को भी यूनिक समय के फोटो ग्राफर प्रदीप कांत मिश्रा ने अपने कैमरे में ऐसे नजारों को कैद दिया। मालगाड़ी के नीचे से निकलने वाले लोगों से पूछा कि आप रिस्क क्यों ले रहे हों। किसी ने जवाब नहीं दिया। फोटो खींचने पर सिर्फ इतना बोले... कि हमारा फोटो मच छापना। सोचने वाली बात तो यह है कि खड़ी गाड़ियों के नीचे लोगों के निकलते वक्त दूसरी लाइन पर कोई एक्सप्रेस ट्रेन आ गई तो उस समय स्थिति क्या होगी। रफ्तार के साथ चलने वाली एक्सप्रेस ट्रेन के झोकों में उस आदमी के साथ कोई हादसा भी हो सकता है।

गश्त करती आरपीएफ और जीआरपी का ध्यान नहीं

जाम में फंस रही एम्बुलेंस में रोगियों की सांस अटक रही

हाईवे पर 80 घंटे से वाहनों की लंबी लाइन

सर्विस रोड पर सड़क खराब होने पर दल दल में फंसा ट्रक।

ग्राम बाद के पास हाईवे पर जाम में फंसे वाहनों का काफिला।

आसपास कॉलोनी वाले लोग परेशान, कैसे निकले सामान लेने

कल से खुलने वाले स्कूलों को लेकर नोटिस जारी हुए

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। आगरा-मथुरा के मध्य ग्राम बाद के निकट पिछले कई घंटों से जाम के हालातों ने लोगों को रुला दिया है। मथुरा और आगरा के बीच की दूरी जाम की वजह से और बढ़ गई है। वजह है कि दोनों ओर गाड़ियों की लंबी लाइन में फंस रही हैं। इनमें रोडवेज बस और एम्बुलेंस भी शामिल हैं। हैरान करने वाली बात तो यह है कि इस जाम को लेकर न तो अधिकारी दिलचस्पी ले रहे हैं और न ही जनप्रतिनिधि। लगता है कि इनमें से हर किसी ने इस मार्ग से निकलना ही बंद कर दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो पिछले 80 घंटे से जाम की स्थिति निरंतर बनी हुई है। यहां होकर गुजरने वाले वाहन रेंग-रेंग कर चलते नजर आ रहे हैं। संपर्क मार्ग के जर्जर होने से लगे जाम की वजह से वाहन चालक आस पास के गावों के कच्चे, छोटे सम्पर्क मार्गो से गुजरने को मजबूर हो रहे हैं। सर्विस रोडों पर तालाब जैसे हालात बने हुये हैं। सड़क पर भरा पानी बड़े वाहनों को वहां से गुजरने में व्यवधान पैदा कर रहा है। कहा जा रहा है कि बारिश बंद होने के बावजूद सर्विस रोडों से अभी पानी की निकासी के कोई ठोस इंतजाम नहीं किये गये हैं और जब तक सर्विस रोडों से पानी निकालकर वहां के गड्ढों को भरा नहीं जायेगा हालात नहीं सुधर पायेगें। हालांकि प्रशासन ने निर्माणाधीन पुल की एक साइड को दोनों तरफ से गुजरने वाले वाहनों के लिये खोल दिया है। मगर हजारों की संख्या में फंसे बड़े वाहनों को निकालने में खासी परेशानी आ रही है। सफर कर रहे वाहन चालक हाईवे और पुलिस प्रशासन को कोस रहे हैं। आगरा से दिल्ली रैफर किये गये मरीजों को ले जा रही दर्जनों एम्बूलेंस भी जाम में यहां वहां फंसी है।

रविवार सुबह भी एक ट्रक सर्विस रोड में भरे पानी में फंस गया। इसके कारण जाम के हालात बेकाबू हो गये। दुपहिया वाहन चालक भी गिरकर चोटिल हो रहे हैं। यहां आसपास की कॉलोनियों में रहने वाले लोगों का और बुरा हाल है।

लोग अपनी रोजमर्रा की जरूरत का सामान भी खरीदने बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। यहां आसपास मौजूद स्कूलों ने भी जाम के न खुलने तक स्कूलों के बंद रहने के नोटिस जारी कर दिये गये हैं। शनिवार को तो नेशनल हाईवे 19 टाउनशिप से टोल टैक्स महुअन तक 15 किलोमीटर का जाम लग गया था।

बरसाना पुलिस ने 15 वर्ष का वारंटी व फर्जी बैनामा का गवाह पकड़ा

यूनिक समय,बरसाना। बरसाना पुलिस ने 15 वर्ष का वारंटी व एक फर्जी बैनामा में गवाह को पकड़ा। एक मुकदमे में 15 वर्ष पूर्व कोर्ट ने निकाले स्थाई वारंट में न हाजिर होने पर नाम बदल कर गोवर्धन में गार्ड की नौकरी कर रहे वारंटी राजेश उर्फ राकेश पुत्र सामलिया निवासी देवपुरा को पकड़ा। वहीं रीठौरा गांव में एक फर्जी बैनामा में गवाह बने कैलाश चंद पुत्र छिद्दा को पकड़ा।

वृंदावन स्थित उत्तर भारत के प्रसिद्ध श्री रंगनाथ मंदिर में सजाए फूल बंगला में विराजित ठाकुर गोदारंगमन्नार की दिव्याकर्षक छवि को निहारने के लिए श्रद्धालुओ का सैलाब उमड़ पड़ा।

शैलेन्द्र गौतम बने भूतपूर्व सैनिक कल्याण समिति के जिला अध्यक्ष

भूतपूर्व सैनिक जन कल्याण समिति उत्तर प्रदेश मथुरा जिला कार्यकारिणी के नवनियुक्त सदस्य अथितियों के साथ।

यूनिक समय, मथुरा। भूतपूर्व सैनिक जन कल्याण समिति उत्तर प्रदेश मथुरा जिला कार्यकारिणी का अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार गौतम को नियुक्त किया गया। बताते चले कि समिति की जिला कार्यकारिणी का गठन गोवर्धन चौराहा स्थित होली एंजेल स्कूल में किया गया, जिसकी अध्यक्षता भूतपूर्व सैनिक लेफ्टिनेंट रामपाल गौतम जी ने की। प्रदेश अध्यक्ष दीनबंधु पांडे ने सभी भूतपूर्व सैनिकों का उत्साह वर्धन किया तथा मनोबल बढ़ाया व मथुरा जिला कार्यकारिणी का अनुमोदन किया। मथुरा जिला इकाई के अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार गौतम, जिला प्रबंधक कृष्ण कुमार पाठक, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जगमोहन शर्मा, उपाध्यक्ष अमित कुमार गौतम, अरविंद कुमार त्रिपाठी, राजेश कुमार, कोषाध्यक्ष धर्मेद्र कुमार गौतम, मीडिया प्रभारी नरेंद्र कुमार गौतम, संगठन मंत्री वीरेंद्र कुमार, वरिष्ठ संगठन मंत्री योगेश गौतम, विधिसलाहकार डॉ. विद्यासागर, समन्वयक मंत्री संजय गौतम को नियुक्त किया गया। नवगठित कार्यकारिणी ने वीरांगनाएं तथा भूतपूर्व सैनिकों की समस्याओं को सुलझाने का पूर्ण प्रयास करने की शपथ ली। इस अवसर पर भूतपूर्व सैनिक धर्मवीर सिंह, राहुल कुमार तथा अमर सिंह भी मौजूद रहे। कार्यकारिणी ने होली एंजेल स्कूल के प्रबंधक को सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

फ्लैट के साथ विला संस्कृति की विरासत को आगे बढ़ाता एनके ग्रुप

विदेशों की झलक दिखाई देगी प्रोजेक्टों में

यूनिक समय, मथुरा। अपनों की विरासत को कैसे आगे बढ़ाया जाता है और लोगों को किस प्रकार सुविधा मुहैया करायी जाती है। इसके बारे में कोई भी व्यक्ति एनके ग्रुप के निदेशक विवेक अग्रवाल से सीखे। वर्ष 1990 में पिता नारायण दास अग्रवाल ने रियल स्टेट के क्षेत्र में कदम रखा था और एनके ग्रुप की स्थापना की। इसके कुछ वर्षो बाद ही पुत्र विवेक अग्रवाल ने पिता के पदचिन्हों पर चलते हुए एनके ग्रुप से संस्कार सिटी, नंदिनी गोलोक धाम, आश्रम विहार एवं वृंदापुरम प्रोजेक्ट की स्थापना की और आज 250 से अधिक परिवार विभिन्न प्रोजेक्ट के अन्तर्गत बस चुके हैं।

मथुरा-वृंदावन के बीचों-बीच बसा एनके ग्रुप सभी वर्गों के लोगों के आवासीय योजना के सपनों को तो पूरा कर ही रहा है, बल्कि फ्लैट्स और विला की संस्कृति को भी लगातार आगे बढ़ा रहा है। समाज के सभी आय वर्गो के लिए अपने मकान का सपना सिर्फ सपना नहीं बल्कि हकीकत बन रहा है।

ग्रुप के निदेशक विवेक अग्रवाल कहते हैं कि एनके ग्रुप अपनी रीयल एस्टेट प्रोजेक्ट द्वारा सभी प्रकार की आधुनिक सुविधा पावर सप्लाई, वाटर सप्लाई से वाटर हार्वेस्टिंग, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट व सिक्योरिटी की बेहतर व्यवस्था की गई है।

समय के साथ एनके ग्रुप ने अपनी सुविधाओं को भी बढ़ाना आरंम्भ किया। 28 एकड़ की आश्रम विहार टाउनशिप में देखने को मिलता हैं। इसमें वाई-फाई की सुविधा के साथ आठ एकड़ में विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधों से युक्त पार्क दिये गये है। यह सभी वृन्दावन की असली सुन्दरता को निखारते हैं।

आश्रम विहार में ही श्रीनिंकुज अपार्टमेंट के नाम से राजस्थान कलाकृतियों से सुसज्जित एक भव्य भवन हैं। यह राजस्थान से वृन्दावन के प्रभाव को व आलीशान जीवन स्तर को बनाये रखने के उद्देश्य से बनाया गया हैं। इसके मध्य में पार्क इस भव्य भवन की सुंदरता को बढ़ावा देते हैं।

आश्रम विहार में ही श्रीनिंकुंज के अलावा एनके ग्रुप का अन्य एक भव्य व शानदार प्रोजेक्ट हैं, जिसमें प्राकृतिक प्रकाश व प्राकृतिक हवा के प्रवाह के संचार के लिए अत्यंत सुदृढ़ व्यवस्था की गई है। इसके पास ही म्यूजिकल फाउंटेन के साथ पार्क की व्यवस्था वातावरण को रमणीय बनाती है। इसके साथ ही एक ऑडीटोरियम की भी व्यवस्था है जिसमें 250-300 व्यक्तियों के बैठने की पूर्ण व्यवस्था है।

नंदनी गोलोक धाम योगीराज कृष्ण के सतत् निवास का स्थल होता है, उसकी महत्वता को बनाये रखने के उद्देश्य से बेहतर प्रोजेक्ट हैं, जिसमें स्विमिंग पूल, क्लब हाउस के साथ-साथ वाई-फाई जोन जो कि पूरे प्रोजेक्ट में है। साथ ही केन्द्र में एक एकड़ का पार्क जिसमें म्यूजिकल फाउंटेन हैं जो नई प्रणाली को दिखाता हैं जिससे समाज का जीवन स्तर ऊँचा उठ सके।

कपिल देव उपाध्याय- विवेक अग्रवाल

विदेश से लौटे विवेक अग्रवाल बना रहे हैं रूपरेखा

संस्कार सिटी प्रोजेक्ट मॉडर्न सिटी की तर्ज पर तैयार किया गया है। इसमें स्टूडियो 1 बीएचके, 2 बीएचके एवं 3 बीएचके हैं। यहां निवास करने वाले लोगों को घर का सामान खरीदने के लिए भी कहीं जाने की जरूरत नहीं है। संस्कार सिटी में ग्रोसरी स्टोर हैं, जहां सभी सामान साधारण कीमत में उपलब्ध है। संस्कार सिटी समाज में जमीन का सही व पर्याप्त उपयोग करने की दृष्टि से बनाया गया है। जिससे समाज के लोग अपने जीवन स्तर में अनुकूल बदलाव पर्यावरण के साथ-साथ कर सकें।

मथुरा-दिल्ली मार्ग पर वृंदापुरम के अंतर्गत लोगों को उच्च श्रेणी की सामग्री के प्रयोग से तैयार डूपलैक्स एचआईजी विला एवं एफोर्डेबल डूपलेक्स विला, जो कि सामान्य कीमत में लिया जा सकता है। इसी के तहत ग्रुप हाउसिंग में तीन रूम सेट और दो रूम सेट स्थापित हैं। इसके साथ ही 1 हॉल तथा शौचालय सहित कार पार्किंग आदि की सुविधा दी जा रही है। यही नही निवास करने वाले लोगों के लिए बेहतर पार्किंग एवं साईकिल ट्रेक सहित मॉल का निर्माण भी प्रस्तावित है। योजना के अन्तर्गत लोगों को गेट बंद कॉलोनी सम्पूर्ण आधुनिकतम सुविधाओं सहित मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण से अनुमोदन है। गौरतलब है कि एनके ग्रुप के निदेशक विवेक अग्रवाल विदेश यात्रा से लौटे हैं। उन्होंने अपनी यात्रा के दौरान शहरी क्षेत्र के प्रोजेक्टों को देखा। मन में यह भावना लेकर लौटे कि मथुरा में कुछ नया करके दिखाया जाए।

सम्पादकीय

दबाव और तनाव मुक्त बनाना होगा प्रवेश परीक्षा की पूरी व्यवस्था को

मांग और आपूर्ति में भारी अंतर को भी कम करना होगा। नहीं तो लाखों युवा उन परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने के लिए कष्टसाध्य पढ़ाई के दबाव और मनोवैज्ञानिक बोझ तले अपनी युवावस्था के महत्त्वपूर्ण वर्षों को गंवाते रहेंगे, जिनमें सफल होने की संभावना लॉटरी निकलने से भी ज्यादा दुष्कर है।

लगभग पच्चीस वर्ष पहले, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बॉम्बे के निदेशक प्रो. सुहास सुखातमे ने जब अपना कार्यकाल पूरा किया तो उनका एक साक्षात्कार एक राष्ट्रीय दैनिक में प्रकशित हुआ था। उनसे पूछे गए कई सवालों में एक यह भी था कि निदेशक के रूप में पांच साल में उनके कुछ मुख्य कार्य कौन–से रहे। उन्होंने तुरंत ही एक लाइन में जवाब दिया–'किसी ने भी मुझे अपने बच्चे के एडमिशन की व्यवस्था करने के लिए नहीं बुलाया।' यह जवाब गहरा महत्त्व

पवन गौतम
संपादक

लिए है। पहला, यह साफ है कि आप निदेशक को प्रभाव में लेकर अपने बच्चे का एडमिशन नहीं करा सकते। दूसरा, कोई भी इस 'तंत्र' में प्रभाव के इस्तेमाल के बारे में सोचता भी नहीं था। चाहे मंत्री हों या उद्योगपति, राजनीतिक नेता या फिर विशिष्ट वर्ग, किसी के लिए प्रवेश प्रक्रिया के बिना अन्य उपायों से प्रवेश दिलाना अकल्पनीय था। यह पैमाना अलिखित और आदर्श था, जो वर्षों से संहिता बन गया था। संयुक्त प्रवेश परीक्षा की पवित्रता में विश्वास के कारण यह मानदंड कायम रहा। आइआइटी में प्रवेश की प्रणाली लगभग चार दशकों तक चली जब देश में केवल पांच आइआइटी थे और प्रवेश और आवेदकों की संख्या का प्रबंधन मुश्किल नहीं था। तब आइआइटी रोटेशन के आधार पर प्रवेश परीक्षा का आयोजन करते थे।

आइआइटी समूह ने लगातार यह सुनिश्चित किया कि मानदंड पवित्र और कायम रहें तथा इसकी समग्रता से समझौता न हो, पर यह स्थिति कायम नहीं रह सकी। आइआइटी में प्रवेश काफी चुनौतीभरा हो गया। कोचिंग क्लास उद्योग ने स्थिति को और विकट कर दिया। अंततोगत्वा आइआइटी की संख्या बढ़ी, सीट बढ़ीं और आवेदकों की संख्या भी। देश के सभी प्रमुख इंजीनियरिंग और मेडिकल सीटों के लिए 2013 के आसपास 'एक राष्ट्र, एक परीक्षा' पर गहन नीतिगत चर्चा हुई। इसका उद्देश्य पूरे देश में एक समान मानक बनाना था। कोचिंग उद्योग के चलते आवेदकों के लिए जिस तरह असमान माहौल तैयार हुआ, उसे लेकर भी गहरी चिंता थी। अंततः 'एक परीक्षा' मॉडल पर बात बनी। 2017 में अलग से नेशनल टेस्टिंग एजेंसी स्थापित की गई और आज एनटीए चार बड़ी परीक्षाएं करा रहा है। इन परीक्षाओं को लेकर पिछले कुछ वर्षों का अनुभव बाधामुक्त नहीं रहा है। छात्रों और अभिभावकों में बेचैनी बढ़ी है। जेईई हो या नीट, प्रवेश परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्रों पर अमानवीय दबाव और इसके चलते कोटा में आत्महत्या की घटनाओं को भी नहीं भूलना चाहिए। इस साल दो बड़ी परीक्षाओं नीट (यूजी) और यूजीसी–नेट को लेकर बड़ा विवाद उत्पन्न हुआ। नीट परीक्षा 571 शहरों और 4750 केंद्रों पर 24 लाख छात्रों ने दी थी, लेकिन बेतुके परिणाम सामने आए। 67 विद्यार्थियों को पूर्ण अंक प्राप्त हुए, जिनमें से छह विद्यार्थी एक ही केंद्र से एक ही क्रम में थे। इसके अलावा ग्रेस मार्क्स की वजह बताई गई कि प्रश्नपत्र देर से पहुंचे थे। अब सब कुछ सुप्रीम कोर्ट के विचाराधीन है।

नजरिया

टूटी–फूटी सड़कों पर टोल–टैक्स लेना ज्यादती है

ललित गर्ग

नियंत्रण से बाहर होती हमारी व्यवस्था हमारे लोक–जीवन को न केवल अस्त–व्यस्त कर रही है, बल्कि आहत, पीड़ित एवं परेशान भी कर रही है। ऐसी अनेक सुविधाएं हैं जो सरकार के द्वारा जनता के लिये उपलब्ध कराई जाती है, इसके लिये सरकार टैक्स वसूलती है।
बेहतर सेवाओं के नाम पर सरकारें कई तरह के शुल्क वसूलती है, इसमें कोई आपत्ति एवं अतिश्योक्ति नहीं है। लेकिन सेवाएं बेहतर न हो फिर भी उनके नाम पर शुल्क या कर वसूलना आपत्तिजनक एवं गैरकानूनी है। यह एक तरह से आम जनता का शोषण है, धोखाधड़ी है। राजमार्ग एवं अन्य मार्गों पर बेहतर एवं सुविधाजनक सड़कों के नाम पर एजेंसियों द्वारा टोल टैक्स वसूला जाता है, लेकिन विडम्बना एवं त्रासदी यह है कि टूटी–फूटी सड़कों के नाम पर भी टोल वसूला जाता है, जो अन्यायपूर्ण एवं आपत्तिजनक है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के हालिया बयान में जनता के इस बड़े होते दुःख, धोखाधड़ी एवं शोषण पर न केवल दुःख जताया बल्कि ऐसी जबरन की जा रही वसूली को रोकने के लिये अधिकारियों को चेताया है। अपनी बात को बेबाकी से कहने वाले नितिन गडकरी ने अधिकारियों को दो टूक शब्दों में कहा कि यदि सड़कें अच्छी हालत में न हों और लोगों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हो, तो राजमार्ग पर एजेंसियों द्वारा टोल टैक्स वसूलने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने कहा कि टोल टैक्स वसूलने से पहले हमें अच्छी सेवाएं देनी चाहिए। लेकिन हम अपने आर्थिक हितों की रक्षा के लिये टोल टैक्स वसूलने की जल्दी में रहते हैं। रोड टैक्स का उपयोग राज्य के भीतर सड़कों के रखरखाव और विकास के लिए किया जाना चाहिए न कि सरकार की आमद को बढ़ाने के लिये। ऐसे अनेक उदाहरण है कि बिना सुविधा एवं आवश्यकता के भी टोल टैक्स वसूला जा रहा है। राज्य सरकारें भी स्वतंत्र रूप से टोल वसूलती है। दूसरी ओर, टोल टैक्स एक उपयोगकर्ता शुल्क है जिसे वाहन मालिकों को राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण या निजी ठेकेदारों को कुछ टोल सड़कों, जैसे राष्ट्रीय राजमार्ग, एक्सप्रेसवे, पुल और सुरंगों का उपयोग करने के लिए देना पड़ता है। जो अन्य सड़कों की तुलना में इन सड़कों को उच्च गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों की माना जाता है। निश्चित रूप से केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सड़क–क्रांति की है बल्कि व्यवस्था की खामियों को सुधारने के भी सराहनीय प्रयास किये हैं।
किसी देश को विवेकपूर्ण, बेहतर सुविधाओं एवं विकास के नये मानकों के साथ चलाने के लिए सरकार को पात्र नागरिकों से बेहतर सुविधाओं के लिये कर एकत्र में कोई ऐतराज नहीं है; लेकिन सड़कें हो या अन्य सुविधाएं, अच्छी नहीं होने पर भी टोल टैक्स या अन्य टैक्स वसूलने पर उपभोक्ता स्वयं को ठगा हुआ एवं शोषित महसूस करता है, जिसके कारण टोल टैक्स या अन्य टैक्स वसूलने वाली एजेन्सियों के खिलाफ शिकायतें बढ़ती जा

रही है। टोल टैक्स प्रणाली सरकार या निजी ठेकेदारों के लिए राजस्व सृजन का स्रोत नहीं होनी चाहिए, बल्कि जनता के लिए बेहतर और सुरक्षित सड़कें उपलब्ध कराने का साधन होनी चाहिए। निश्चित तौर पर गुणवत्ता की सेवा दिए बिना कोई टैक्स वसूलना उपभोक्ता के साथ धोखाधड़ी एवं अन्याय है। यह बात हर सरकारी व निजी महकमे पर भी लागू होती है। लेकिन यथार्थ में ऐसा होता नहीं है और बेहतर सेवा के बिना टैक्स वसूलने की स्थितियां लगातार बढ़ती जा रही है। इन स्थितियों को लेकर आम जनता एवं उपभोक्ताओं में विरोध एवं विद्रोह पनप रहा है, इसलिये सरकार एवं ऐसी एजेन्सियों के खिलाफ लोग लोक अदालतों से लेकर विभिन्न अदालतों के दरवाजे खटखटाते रहते हैं। किसी भी विभाग को अपनी खामियों पर पर्दा डालने के बजाय सेवा में सुधार की पहल करनी चाहिए। अब चाहे मामला राष्ट्रीय राजमार्गों पर कार्यरत एजेंसियों का हो या फिर बिजली–पानी जैसे मूलभूत जरूरतों वाले विभागों का, अधिकारियों को उपभोक्ताओं के प्रति संवेदनशील एवं जिम्मेदार होना चाहिए।
नियंत्रण से बाहर होती हमारी व्यवस्था हमारे लोक–जीवन को न केवल अस्त–व्यस्त कर रही है, बल्कि आहत, पीड़ित एवं परेशान भी कर रही है। ऐसी अनेक सुविधाएं हैं जो सरकार के द्वारा जनता के लिये उपलब्ध कराई जाती है, इसके लिये सरकार टैक्स वसूलती है। लेकिन बिना सुविधा के भी टैक्स वसूलने की स्थितियां सरकार पर बदनूमा दाग है और ऐसे दाग लगातार बढ़ते जा रहे हैं। बहरहाल बात राजमार्गों पर वसूले जा रहे गैर वाजिब टोल टैक्स के बढ़ने की चिन्ता का है, जो एक त्रासदी है। इसी त्रासदी को केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्री ने स्वीकारा और कहा कि सड़कें अच्छी नहीं होने पर तमाम शिकायतें हमें मिलती हैं। दूसरी ओर सोशल मीडिया पर लोग अपना गुस्सा जाहिर करते हैं। सही मायनों में गुणवत्ता की सड़क प्रदान करने पर ही हमसे टोल वसूलने का अधिकार मिलता है। जाहिर सी बात है कि गड्ढों व कीचड़ वाली सड़कों पर टैक्स वसूलने पर पब्लिक की नाराजगी स्वाभाविक रूप से सामने आएगी। निस्संदेह, परिवहन मंत्री की स्वीकारोक्ति एक अच्छा कदम एवं स्वागतयोग्य कदम है और हर विभाग के मंत्री को अपने अधीनस्थ विभागों की ऐसी कारगुजारियों एवं ज्यादतियों पर नजर रखनी चाहिए। जरूरत इस बात की भी है कि ऐसी शिकायत दर्ज करने और शिकायतों के तुरंत निवारण हेतु एक स्वतंत्र तंत्र भी विकसित किया जाना चाहिए।

कई स्थानों पर सड़कों की गुणवत्ता में कमी, सड़कों के निर्माण में तकनीकी खामियों का उजागर होना, गैरवाजिब टोल टैक्स वसूला जाना, उपभोक्ताओं को परेशान करता है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल टैक्स चुकाने के लिये घंटों लाइन में लगना भी एक बड़ी समस्या है, भले ही इस समस्या से मुक्ति के लिये सरकार ने कदम उठाये हैं, फास्टैग व्यवस्था के लागू करने से लाइनें छोटी हुई है। आज 98 प्रतिशत वाहनों में स्मार्ट टैग के माध्यम से निर्बाध यात्रा की जा रही है। निश्चित तौर पर राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस–वे आदि के बनने से यात्रियों का आवागमन सुविधाजनक हुआ है, पेट्रोल–डीजल में बचत हुई है एवं यातायात सुगम बना है। मोदी सरकार ने सड़कों को सुविधाजनक बनाया है। आने वाले कुछ वर्षों में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम आधारित टोल संग्रह प्रणाली को अंजाम देने की तैयारी में है। जिसके बाद राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल गेटों की जरूरत नहीं रह जाएगी। फिर टोल प्लाजा पर गाड़ी धीमी करने व रोकने की भी जरूरत नहीं रहेगी। इसे देश में चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जाएगा। यह व्यवस्था सड़क–क्रांति को एक नई दिशा देगा। दरअसल, यह नया सिस्टम न केवल सही ट्रैकिंग कर पाएगा बल्कि यह राजमार्ग पर उपयोग की गई दूरी के आधार पर सटीक टोल गणना भी करेगा। बहुत संभव है आने वाले वर्षों में कार निर्माता कंपनियां अपने वाहनों पर ट्रैकिंग डिवाइस लगाएं। प्रारंभ में इस सिस्टम को प्रमुख हाईवे व एक्सप्रेस–वे पर लागू किया जाएगा। इसके बावजूद सरकार के लिये यह जरूरी है कि वह सड़कों की गुणवत्ता को बनाये रखे एवं गुणवत्ता वाली सुविधा की सड़कों पर ही टोल वसूले।
राजमार्गों पर यात्रा करने के दौरान आपके बैंक खाते या डिजिटल वॉलेट से पैसा कट जाता है। इसमें भी गलत तरीके से पैसे कटने की शिकायतें बढ़ती जा रही है। किसी व्यक्ति के फास्टैग से बिना टोल से गुजरे टोल टैक्स काट लिया जाता है या ज्यादा टोल वसूल लिया जाता है, जो उपभोक्ताओं के लिये परेशानी का सबब है। भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की 2019 की एक रिपोर्ट के अनुसार, सड़क निर्माण और रखरखाव के अपने लक्ष्यों को हासिल करने में विफल रहा है। रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि एचएचआई ने टोल अनुबंधों को आकार देने और निगरानी के लिए निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया है और टोल सड़कों की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की है। रिपोर्ट में टोल संग्रह प्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी और दोषपूर्ण टोल प्लाजा, ओवरचार्जिंग और लंबी कतारों के कारण सड़क उपयोगकर्ताओं को होने वाली परेशानी और असुविधा पर भी प्रकाश डाला गया है। इन सभी हालातों को देखते हुए भारत में राजमार्गों एवं सुविधा की सड़कों के नाम पर हो रही टोल टैक्स वसूली को औचित्यपूर्ण एवं न्यायसंगत बनाने की अपेक्षा है। सुविधा के नाम असुविधाओं, असुरक्षा एवं धोखाधड़ी की बढ़ती स्थितियों को गंभीरता से लेना होगा।

विचार–विंडो

प्राचीन भारत में आर्थिक क्षेत्र में अभिशासन का अनुपालन किया जाता रहा है

प्रहलाद सबनानी

हालांकि भारत में तो प्राचीन काल से ही आर्थिक क्षेत्र में अभिशासन सम्बंधी नियमों का अनुपालन किया जाता रहा है। सनातन संस्कृति में कर्म एवं अर्थ को धर्म से जोड़ा गया है। अतः प्राचीन भारत में धर्म का पालन करते हुए ही आर्थिक गतिविधियां सम्पन्न होती रही हैं।
पिछले कुछ वर्षों से निगमित अभिशासन को विभिन्न बैकों एवं कम्पनियों में लागू करने के भरपूर प्रयास किए जा रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी इस सम्बंध में विस्तार से दिशा निर्देश जारी किए हैं एवं इन्हें सहकारी क्षेत्र के बैंकों में लागू करने के प्रयास किए जा रहे हैं।
द्वितीय विश्व युद्ध के समाप्त होने के पश्चात अमेरिका में लागू की गई पूंजीवाद की नीतियों के चलते कम्पनियों को अमेरिकी सरकार द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापार करने की खुली छूट दी गई थी ताकि अमेरिकी में बिलिनायर नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ाई जा सके ताकि अमेरिका एक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में शामिल हो जाय। अमेरिका एवं अन्य देशों में व्यापार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अमेरिका में आर्थिक नियमों में भारी छूट दी गई थी। इस छूट का लाभ उठाते हुए कई अमेरिकी कम्पनियों ने अन्य देशों में भी अपने व्यापार का विस्तार करते हुए अपनी कई कम्पनियां इन देशों में स्थापित की और बाद में उन्हें बहुराष्ट्रीय कम्पनियां कहा गया। अमेरिका में स्थापित कम्पनियां दूसरे देशों में स्थापित अपनी सहायक कम्पनियों की अमेरिका में बैठकर देखभाल तो कर नहीं सकती थी अतः उन्होंने अन्य देशों में स्थापित कम्पनियों के बोर्ड में अपने प्रतिनिधि, निदेशक के तौर पर भर्ती किए। इस बोर्ड को चलाने के साथ ही इन देशों में इन कम्पनियों द्वारा व्यापार को विस्तार देने के उद्देश्य से इस सम्बंध में नियमों की रचना की गई, जिन्हें बाद में निगमित अभिशासन का नाम दिया गया। वर्ष 1970 के आसपास अमेरिका में एवं अन्य यूरोपीयन देशों में निगमित अभिशासन के सम्बंध में बहुत शोध कार्य सम्पन्न हुआ एवं निगमित अभिशासन के कई मॉडल एवं सिद्धांत विकसित हुए, जिन्हें भारत में भी लागू करने के प्रयास किए जा रहे हैं।
हालांकि भारत में तो प्राचीन काल से ही आर्थिक क्षेत्र में अभिशासन सम्बंधी नियमों का अनुपालन किया जाता रहा है। सनातन संस्कृति में कर्म एवं अर्थ को धर्म से जोड़ा गया है। अतः प्राचीन भारत में धर्म का पालन करते हुए ही आर्थिक गतिविधियां सम्पन्न होती रही हैं। इस प्रकार, आर्थिक क्षेत्र में अभिशासन तो व्यापार में उपयोग होता ही रहा है। ब्रिटिश मूल के प्रसिद्ध अर्थशास्त्री एवं इतिहासकार श्री एंगस मेडिसिन द्वारा सम्पन्न किए के शोध के अनुसार एक ईसवी पूर्व से 1750 ईसवी तक वैश्विक व्यापार में भारत की हिस्सेदारी 32 प्रतिशत से 48 प्रतिशत के बीच रही है और भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इतने बड़े स्तर पर होने वाले व्यापार में अभिशासन की नीतियों का अनुपालन तो निश्चित रूप से होता ही होगा। परंतु, पश्चिमी देश निगमित अभिशासन को एक नई खोज बता रहे हैं। प्राचीन काल में भारत में आर्थिक क्षेत्र में अभिशासन के अनुपालन का स्तर बहुत उच्च था। एक घटना के माध्यम से इसे सिद्ध भी किया जा सकता है। एक किसान ने एक अन्य किसान से जमीन के टुकड़ा खरीदा। उस किसान ने जब जमीन में खुदाई शुरू की तो उसे खुदाई के दौरान उस जमीन में सोने के सिक्कों से भरा एक घड़ा मिला। इस घड़े को लेकर वह किसान जमीन के विक्रेता किसान के पास पहुंचा और बोला आपसे जो जमीन का टुकड़ा मैंने खरीदा था उसमें सोने के सिक्कों से भरा यह घड़ा मिला है, मैंने तो चूंकि आपसे केवल जमीन खरीदी है अतः इस घड़े पर आपका अधिकार है। विक्रेता किसान ने उस घड़े को लेने से इसलिए इंकार कर दिया कि क्योंकि अब तो वह जमीन मैं आपको बेच चुका हूं अतः अब जो भी वस्तु अथवा पदार्थ इस जमीन से प्राप्त होता है उस पर जमीन के क्रेता अर्थात केवल आपका अधिकार है। दोनों किसानों के बीच जब किसी प्रकार की सुलह नहीं हो सकी तो वे दोनों किसान राजा के महल में अपनी समस्या का हल ढूंढने के लिए पहुंचे। जब वहां भी इस समस्या का हल नहीं निकल सका तो दोनों किसानों ने राजा से प्रार्थना की कि सोने के सिक्कों से भरे इस घड़े को राज्य के खजाने में जमा कर दिया जाय। राजा ने भी उस घड़े को राज्य के खजाने में जमा करने से इंकार कर दिया क्योंकि राज्य के खजाने में तो अभिशासन सम्बंधी नियमों के अनुपालन के अनुसार ही प्राप्त धन को जमा किया जा सकता है और अभिशासन सम्बंधी नियमों में इस प्रकार से प्राप्त धन को खजाने में जमा करने का वर्णन ही नहीं है। इस उच्च स्तर की अभिशासन प्रणाली प्राचीन भारत में लागू थी।
अभिशासन को परिभाषित करते हुए कहा जाता है कि यह एक तरीका है, जिसके अनुसार संस्थानों को अभिशासित किया जाता है। यह नियमों, व्यवहारों एवं प्रक्रियाओं की एक प्रणाली है जिसके अनुसार एक व्यवसाय को चलाया, विनियमित एवं नियंत्रित किया जाता है।
इसके माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाता है कि निर्णय प्रक्रिया स्वच्छ (निष्पक्ष) एवं नैतिक है। इसके माध्यम से यह जानने, संतुलित करने एवं संरक्षित करने का प्रयास किया जाता है कि लम्बी अवधि के लिए हितधारकों के हित सुरक्षित रहें। हितधारकों में शामिल हैं – बैंक के संदर्भ में जमाकर्ता, एवं अन्य कम्पनियों के संदर्भ में ग्राहक, शेयरधारक, कर्मचारी, प्रबंधन, सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक, आदि। निगमित अभिशासन सम्बंधी नियमों के अनुपालन की जिम्मेदारी बोर्ड के सदस्यों की मानी जाती है।
अच्छे निगमित अभिशासन के गुणों के सम्बंध में कहा जाता है कि बोर्ड द्वारा लिए जाने वाले निर्णयों में निष्पक्षिता एवं पारदर्शिता होनी चाहिए। संस्था में प्रत्येक स्तर पर जवाबदेही एवं जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। बोर्ड के सदस्यों के चुनाव में पारदर्शिता हो एवं बोर्ड के सदस्य पेशेवर होने चाहिए। यदि बैंक के बोर्ड की बात की जाय तो बोर्ड के सदस्य जमाकर्ता के ट्रस्टी के रूप में कार्य करें। ऋण प्रदान करने में पारदर्शिता होनी चाहिए एवं मेरिट आधारित निर्णय होने चाहिए। केंद्र सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक एवं प्रधान कार्यालय द्वारा जारी नियमों का अनुपालन सुनिश्चित होना चाहिए। अंकेक्षण प्रणाली, जागरुकता प्रणाली (विजिलन्स सिस्टम), धोखाधड़ी का पता लगाने का तंत्र (फ्रॉड डिटेक्शन मेकनिजम) मजबूत होना चाहिए। साथ ही, संस्थान में उच्च तकनीकी का उपयोग भी होना चाहिए।
निगमित अभिशासन के अंतर्गत बोर्ड की भूमिका के संबंध में भी कहा जाता है कि बोर्ड के सदस्यों में व्यावसायिक कुशलता होना चाहिए। बोर्ड के सदस्यों द्वारा संस्था में स्थापित प्रणाली एवं प्रक्रिया की व्याख्या करनी चाहिए। आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की व्याख्या करनी चाहिए। आंतरिक अंकेक्षण प्रणाली की समय समय पर जांच पड़ताल करनी चाहिए। समस्त व्यवसाय सबंधित नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करना चाहिए। प्रणाली एवं प्रक्रिया की उचित समय अंतराल पर समीक्षा करनी चाहिए। निगमित अभिशासन के अंतर्गत बोर्ड स्तर की कुछ समितियों का निर्माण भी किया जाना चाहिए। जैसे, अंकेक्षण समिति, नियमों के अनुपालन की जांच करने के सम्बंध में समिति, बड़ी राशि के फ्रॉड की जांच करने वाली समिति, बोर्ड के सदस्यों का परिश्रमिक तय करने की समिति, जोखिम प्रबंधन समिति, आदि।
निगमित अभिशासन के सम्बंध में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बनाए गए नियमों को कम्पनियों एवं बैकों में लागू किया जाना चाहिए। हालांकि प्राचीन भारत में विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में अभिशासन का उच्च स्तर रहा है, क्योंकि उस खंडकाल में कर्म एवं अर्थ के कार्य धर्म से जोड़कर किए जाते थे। परंतु, आज की परिस्थितियाँ भिन्न हैं, अतः वर्तमानकाल में भिन्न परिस्थितियों के बीच निगमित अभिसासन के नियमों को विभिन्न संस्थानों में लागू किया ही जाना चाहिए।

जरूरत से ज्यादा नमक सेहत के लिए बन सकता है परेशानी का सबब

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आपको बहुत अधिक नमक खाने की आदत है तो यह काफी हद तक संभव है कि इससे आपको हाई ब्लड प्रेशर की शिकायत का सामना करना पड़े। इससे आपको हृदय रोग से लेकर स्ट्रोक और गुर्दे की समस्या हो सकती है।

नमक के बिना खाने का कोई स्वाद नहीं है। किसी भी डिश में नमक को जरूर शामिल किया जाता है। हालांकि, ऐसे कई लोग होते हैं, जिन्हें कुछ ज्यादा ही नमक खाने की आदत होती है। वे अक्सर अपने खाने में ऊपर से नमक डालकर खाते हैं। अगर लगातार ऐसा किया जाए तो इससे आपकी सेहत को नुकसान उठाना पड़ सकता है। जी हां, जरूरत से ज्यादा नमक कई तरह की हेल्थ प्रोब्लम्स की वजह बन सकता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि जरूरत से ज्यादा नमक आपको किस तरह परेशान कर सकता है–

हाई ब्लड प्रेशर की शिकायत

अगर आपको बहुत अधिक नमक खाने की आदत है तो यह काफी हद तक संभव है कि इससे आपको हाई ब्लड प्रेशर की शिकायत का सामना करना पड़े। इससे आपको हृदय रोग से लेकर स्ट्रोक और गुर्दे की समस्या हो सकती है। इसलिए आप नमक का सेवन सीमित मात्रा में ही करें।

बार–बार प्यास लगना

जब आप बहुत अधिक नमक का सेवन करना शुरू कर देते हैं तो इससे आपको बार–बार प्यास लगना शुरू हो जाता है। नमक का अत्यधिक सेवन रक्त में सोडियम की मात्रा को बढ़ाता है। जिससे आपको अधिक प्यास लगने लगती है। हो सकता है कि इससे आपको बार–बार मुंह सूखने की शिकायत हो। इतना ही नहीं, शरीर में सोडियम का लेवल अधिक होने से वाटर रिटेंशन की समस्या भी हो सकती है। ऐसे में हाथ–पैरों में सूजन व ब्लोटिंग जैसे लक्षण नजर आ सकते हैं।

किडनी डैमेज होना

किडनी शरीर से अतिरिक्त सोडियम को फिल्टर करने का काम करती है। लेकिन नमक का अधिक सेवन करने से किडनी को जरूरत से ज्यादा काम करना पड़ता है, जिससे उसकी कार्यक्षमता प्रभावित हो सकती है। इससे किडनी के डैमेज होने की संभावना भी बढ़ जाती है। यह संभव है कि इससे आपको क्रोनिक किडनी डिसीज या गुर्दे की पथरी की शिकायत हो जाए।

ऑस्टियोपोरोसिस की शिकायत होना

सोडियम के अधिक सेवन से कैल्शियम यूरिन के जरिए बाहर निकल सकता है। जिसकी वजह से समय के साथ, इससे बोन डेंसिटी कम हो सकती है। जिसके कारण फ्रैक्चर का खतरा भी कई गुना बढ़ जाता है।

खाने ही नहीं बल्कि स्किन और बालों के लिए भी फायदेमंद है करी पत्ता

यूनिक समय, नई दिल्ली। करी पत्ते के बारे में तो आप सभी ने सुना होगा, करी पत्ते को मीठी नीम भी कहा जाता है। बहुत सारे लोग इसको अपने तरीके से लाइफस्टाइल में शामिल करते हैं। भारतीय लोग अधिकतर मीठी नीम का इस्तेमाल तड़के के रूप में करते हैं। यह न सिर्फ खाने के स्वाद को बढ़ाने का काम करती है, बल्कि खुशबू भी बढ़ाती है। इसको खाने से सेहत को कई तरह से फायदा मिलता है। वहीं यह स्किन और बालों के लिए भी काफी फायदेमंद मानी जाती है।

बता दें कि स्किन केयर से लेकर बालों की ग्रोथ को बढ़ाने तक में करी पत्ते का इस्तेमाल किया जाता है। इसमें विटामिन्स, मिनरल्स और एंटी ऑक्सीडेंट की भरपूर मात्रा पायी जाती है।

जो स्कैल्प और स्किन को पोषण देने का काम करता है। बालों में करी पत्ते का इस्तेमाल करने से बालों की ग्रोथ बढ़ने के साथ ही यह हेयरफॉल को रोकने में भी मदद करता है।

करी पत्ता बालों को सफेद होने से रोकता है।

साथ ही यदि आप इसका फेस पैक बनाकर चेहरे पर अप्लाई करते हैं, तो आपकी त्वचा नेचुरल तरीके से ग्लो करती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि बालों और स्किन को हेल्दी बनाने के लिए किस तरह से करी पत्ते का इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर : करी पत्ता में विटामिन सी, विटामिन ए और फ्लेवनोइड जैसे एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है। जो ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करता है। जिससे आपकी त्वचा ग्लोइंग बनती है और बाल हेल्दी व शाइनी बनते हैं।

पाचन में सुधार : करी पत्ते पाचन के एंजाइम्स को एक्टिव कर देता है। जिससे आपकी भूख बढ़ती है और पाचन भी अच्छा होता है। इसके लिए आप रोजाना सुबह खाली पेट 5–6 करी पत्ते का सेवन कर सकते हैं।

ब्लड शुगर कंट्रोल : करी पत्ते में एंटी–हाइपरग्लाइसेमिक गुण पाए जाते हैं। जो ब्लड में शुगर लेवल को कंट्रोल करने का काम करता है। बता दें कि डायबिटीज के मरीजों के लिए करी पत्ता रामबाण इलाज माना जाता है। ऐसे में यदि डायबिटीज मरीज रोजाना खाली पेट करी पत्ते का सेवन करते हैं, तो यह उनकी सेहत के लिए फायदेमंद होता है।

दिल होगा हेल्दी : करी पत्ता आपकी त्वचा और बालों के लिए भी फायदेमंद होता है।

साथ ही इससे आपका दिल भी स्वस्थ रहता है। करी पत्ते में टैनिन और रुटिन पाया जाता है, जो कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम करता है और दिल संबंधी बीमारियों के खतरे को कम करता है।

ग्लोइंग स्किन और हेल्दी बाल : करी पत्ते में विटामिन ई जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। जो हमारी त्वचा को ग्लोइंग और हेल्दी बनाता है। वहीं यह हेयरफॉल को भी रोकने में मदद करता है और बालों की ग्रोथ को बढ़ाने का भी काम करता है।

अनूठी वास्तुकला और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है उदयपुर नगरी

यूनिक समय, नई दिल्ली। उदयपुर का प्रमुख आकर्षण है लेक पैलेस, जो पिचोला झील में स्थित है और अपनी राजस्थानी वास्तुकला के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध है। यहां के महलों और बावड़ियों में भी विशेष रूप से राजपूताना की परंपराएं दिखाई देती हैं।

राजस्थान की उदयपुर नगरी अपनी बेहद समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, अनूठी वास्तुकला और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है। इस नगरी को 'राजस्थान के कैलाश' के नाम से भी जाना जाता है, जोकि इसके रोमांचक इतिहास और विलक्षण समृद्धता का प्रतीक है।

उदयपुर का इतिहास गहरी संस्कृति और महाराणा प्रताप की वीरता की गाथाओं से भरा हुआ है। यहां के भव्य महल, बावड़ियां और शांतिपूर्ण झीलें इसे एक पर्यटन और संस्कृति का केंद्र बनाती हैं। उदयपुर का सबसे प्रमुख पर्यटन स्थल है सहेलियों की बाड़ी, जो राजस्थानी शैली में बना हुआ है। यह शहर अपने फूलों की खूबसूरती के लिए प्रसिद्ध है। यहां पर्यटक शांति और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेते हैं।

उदयपुर का प्रमुख आकर्षण है लेक पैलेस, जो पिचोला झील में स्थित है और अपनी राजस्थानी वास्तुकला के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध है। यहां के महलों और बावड़ियों में भी विशेष रूप से राजपूताना की परंपराएं दिखाई देती हैं। उदयपुर के इन सभी पर्यटन स्थलों के अलावा यहां के जगदीश मंदिर, हल्दी घाटी, कुम्भलगढ़ किला और फतेह सागर जैसे स्थल भी पर्यटकों के बीच लोकप्रिय हैं।

जगदीश मंदिर: उदयपुर का सबसे प्रसिद्ध और पवित्र मंदिर जगदीश मंदिर है, जो किला पहाड़ी के पास स्थित है। यह मंदिर महाराजा जगदीश सिंह द्वारा 1651 ईस्वी में बनवाया गया था और विष्णु भगवान को समर्पित है। इसकी वास्तुकला और राजस्थानी शैली के मधुर संगम ने इसे पर्यटकों के बीच बहुत ही प्रसिद्ध बना दिया है।

काली मंदिर: उदयपुर में स्थित काली मंदिर भी एक प्रमुख धार्मिक स्थल है, जो माँ काली को समर्पित है। यहां पर्यटक आकर्षित होते हैं और इस मंदिर की सुंदरता और धार्मिक महत्व का आनंद लेते हैं।

नवलक्ष मंदिर: यह भी उदयपुर का एक प्रसिद्ध मंदिर है जो लक्ष्मी नारायण को समर्पित है। इसकी विशेषता इसकी वास्तुकला और शांतिपूर्ण वातावरण में है जो पर्यटकों को भारतीय संस्कृति का अनुभव करने का मौका देता है।

ईकलिंगजी मंदिर: यह भगवान शिव का प्रसिद्ध मंदिर है जो सीतामाता झील के किनारे स्थित है। इसकी स्थापना 734 ईस्वीं में हुई थी और इसकी वास्तुकला स्थानीय संस्कृति की प्रतीक है।

अचलनाथ जी मंदिर: यह मंदिर पापना जी के निवास के रूप में जाना जाता है और यहां पर भगवान शिव को पूजा जाता है। इसकी स्थापना राणा कुमार सिंह द्वारा की गई थी।

उम्र से पहले बुढ़ापा नहीं चाहते तो रोजाना इन चीजों का करें सेवन, स्किन रहेगी टाइट

यूनिक समय, नई दिल्ली। बढ़ती उम्र के साथ चेहरे पर एजिंग लाइंस और झुर्रियां दिखना एक नेचुरल प्रक्रिया है। अगर आप नहीं चाहते बढ़ती उम्र के साथ चेहरे पर झुर्रियां न दिखें तो आप इन चीजों का सेवन जरूर करें। यह आपकी स्किन को जवां बनाएगा और त्वचा भी रहेगी टाइट।

बढ़ती उम्र से पहले स्किन का नहीं रखा ख्याल तो समय से पहले ही बुढ़ापा नजर आने लगेगा। बढ़ती उम्र के साथ चेहरे पर झुर्रियां और एजिंग लाइंस का आना एक नेचुरल प्रक्रिया है। लेकिन कई लोगों के चेहरे पर उम्र से पहले ही झुर्रियां, दाग–धब्बे और एजिंग साइन नजर आने लगता है। चेहरे पर झुर्रियां और एजिंग लाइंस होने का सबसे ज्यादा जिम्मेदार कारक लोगों की लाइफस्टाइल और खानपान में पोषक तत्वों की कमी। अगर आप कम उम्र में नहीं दिखना चाहते बूढ़े तो आप अपनी डाइट में कुछ चीजों को जरूर शामिल करें।

विटामिन से भरपूर फलों का सेवन करें

अगर आप भी उम्र से पहले बूढ़ा नहीं दिखना चाहते हैं तो आप अपनी डाइट में विटामिन से भरपूर फलों का सेवन करें। संतरा, बैरीज, अनानास, एवोकाडो, कीवी और स्ट्रॉबेरी जैसे फलों का सेवन कर सकते हैं। इन फ्रूट्स में सबसे ज्यादा विटामिन सी पाया जाता है। विटामिन सी रिच फलों के खाने से चेहरे की झुर्रियां गायब हो जाती है।

प्रोटीन को डाइट में शामिल करें

अपनी डाइट में प्रोटीन से भरपूर चीजों को शामिल करें। आप अपने आहार में अंडे, चिकन और डेयरी प्रॉडक्ट्स को एड ऑन कर सकते हैं। प्रोटीन से भरपूर फूड का सेवन करने से चेहरे की झुर्रियां और एजिंग लाइंस दूर हो जाती है।

डेयरी प्रॉडक्ट्स का सेवन करें

उम्र से पहले बुढ़ापा नहीं चाहते तो आप रोजाना अपने डाइट में डेयरी के प्रॉडक्ट्स को शामिल करें।

दूध–दही शरीर में पोषक तत्वों को बढ़ाते हैं जिससे स्किन भी बेहतर होती है। इन चीजों के सेवन से स्किन टाइट और झुर्रियां भी कम होती है।

ड्राई फ्रूट्स खाएं

ड्राई फ्रूट्स का सेवन करने से स्किन जवान रहती है। यह त्वचा को सुंदर बनाता है। अगर आप ड्राई फ्रूट्स खाएंगे तो आप समय से पहले बूढ़े नजर नहीं आएंगे। बादाम, अंजीर और काजू जैसे ड्राई फ्रूट्स विटामिन ई से भरपूर होते हैं और स्किन की सुरक्षा करते हैं।

सुविचार

जिंदगी में जिसने समय को मान लिया, उसने अपने आप को जान लिया!

कल का पंचांग

तिथि	दशमी	12:19-10:26 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	भरणी	06:26-05:27 तक	माह	आषाढ़
सूर्योदय		5:32 AM	चन्द्रोदय	01:16 AM
सूर्यास्त		7:14 PM	चंद्रास्त	02:54 PM
सूर्य राशि		मिथुन राशि	चंद्र	मेष राशि
शुभ मुहूर्त अभिजीत		11:54 AM –12:49 PM	ब्रह्म् मुहूर्त	03:54-04:42
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2081
राहुकाल		07:15 PM – 08:57 PM	वार	सोमवार

यूनिक समय न्यूज चैनल

किसी परिचित को नशा से मुक्ति दिलाना चाहते है तो उसके उपायों को जानने के लिये यूट्यूब चैनल यूनिक समय न्यूज पर देखे अंतराष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस पर विशेष व्याख्यान। इसी प्रकार के उपयोगी वीडियो देखने के हमारे चैनल को सब्सक्राइब भी करें।

Youtube Channel : https://youtu.be/zPmBg6DLDCI?si=ifx9SmHo9Sg-YR70

केरल के इस अनोखे मंदिर में सांपों की होती है पूजा

इस मंदिर में नि :संतान दंपति को मिलता है संतान सुख

यूनिक समय, नई दिल्ली। हिंदू धर्म में नागों को पूज्यनीय माना जाता है। बता दें कि केरल के हरिपद के जंगलों में स्थित प्राचीन मन्नारसाला मंदिर नागों को समर्पित है। इस मंदिर को लेकर अपनी मान्यताएं और लोकप्रियता है। हिंदू धर्म में नागों को पूजनीय माना जाता है। बता दें कि केरल के हरिपद के जंगलों में स्थित प्राचीन मन्नारसाला मंदिर नागों को समर्पित है। इस मंदिर को लेकर अपनी मान्यताएं और लोकप्रियता है। यह मंदिर विश्व स्तर पर प्रसिद्ध तीर्थ स्थल है। इस मंदिर में आपको नागराज और देवी नागयक्षी की अनोखी प्रतिमा देखने को मिलेगी। इस मंदिर का इतिहास भगवान परशुराम से जुड़ा है। भगवान परशुराम ने केरल की भूमि को समुद्र से प्राप्त किया और फिर इस भूमि को ब्राह्मणों को दान कर दिया। यह मंदिर अपनी अनूठी वास्तुकला और समृद्ध इतिहास के लिए फेमस है।

मंदिर की खासियत : आपको बता दें कि केरल के मन्नारशाला मंदिर में 1,00,000 से ज्यादा सांपों की प्रतिमाएं या छवियां स्थापित हैं। मन्नारशाला मंदिर मुख्य रूप से नागराज और उनकी अर्धांगिनी नागायक्षी देवी को समर्पित है। इस मंदिर में नागराज और देवी नागयक्षी की अनोखी प्रतिमा स्थापित है। इस मंदिर के दर्शन के लिए देश से ही नहीं बल्कि विदेश से भी लोग आते हैं। मन्नारशाला मंदिर 16 एकड़ के क्षेत्र में फैला है। इस मंदिर की पुजारी महिला होती है। जिनको मन्नारशाला अम्मा के नाम से जाना जाता है। मंदिर की पुजारी यानी की मुख्य पद इल्लम की सबसे वरिष्ठ महिला को दिया जाता है।

मंदिर का इतिहास : मन्नारशाला मंदिर का इतिहास भगवान श्रीहरि विष्णु के छठवें अवतार परशुराम से जुड़ा है। परशुराम को केरल का निर्माता माना जाता है।

बताया जाता है कि केरल की भूमि को परशुराम ने ब्राह्मणों को दान कर दिया था। इस स्थान पर कई जहरीले सांप पाए जाते थे, जिस कारण लोगों का वहां रहना मुश्किल था। तब भगवान परशुराम ने शिव-शंकर की कठोर तपस्या कर प्रसन्न किया था।

तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उनको सांपों के राजा नागराज की पूजा करने की सलाह दी थी। जिससे कि मिट्टी में सांपों का जहर फैल जाए और भूमि उपजाऊहो जाएगी। महादेव के कहे मुताबिक परशुराम भगवान ने मन्नारसला में नागराज की मूर्ति स्थापित की और फिर अनुष्ठान करने के लिए एक ब्राह्मण परिवार को नियुक्त किया। आज भी उस परिवार के लोग इस मंदिर में पूजा–अर्चना करते हैं। इन्हें इल्लम नाम से जाना जाता है।

मान्यता : मान्यता के अनुसार, जो भी दंपति इस मंदिर में संतान की कामना लेकर जाते हैं। उसे संतान सुख प्राप्त होता है। बता दें कि मन्नारसला मंदिर में कई त्योहारों का धूमधाम से आयोजन होता है। इस दौरान भक्तों और पर्यटकों की मंदिर में भारी भीड़ उमड़ती है। मलयालम महीने थुलम में पड़ने वाला मन्नारसाला अयिल्यम त्योहार सबसे ज्यादा अहम माना जाता है। वहीं यह पर्व सर्पबली के साथ समाप्त होता है। वहीं इस दौरान मंदिर जाने वाले निसंतान दंपति को संतान की प्राप्ति होती है और नाग देवता का आभार व्यक्त करते हैं।

मां लक्ष्मी की चाहते हैं विशेष कृपा तो घर में रखें ये चीजें

यूनिक समय, नई दिल्ली। वास्तु के अनुसार मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए आपको आज ही अपने घर में पांच चीजों को रख लेना चाहिए। इन उपायों को करने से मां लक्ष्मी खुद चलकर आपके द्वार आएंगी और आप पर मां लक्ष्मी की कृपा बरसने लगेगी। ऐसे में अगर आप भी इस परेशानी से जूझ रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। वास्तु के अनुसार मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए आपको आज ही अपने घर में पांच चीजों को रख लेना चाहिए। इन उपायों को करने से मां लक्ष्मी खुद चलकर आपके द्वार आएंगी और आप पर मां लक्ष्मी की कृपा बरसने लगेगी।

घर में रखें नारियल : अगर आप भी आर्थिक परेशानियों से राहत पाना चाहते हैं, तो आपको अपने घर में श्रीफल जरूर रखना चाहिए। घर में श्रीफल रखने से व्यक्ति के जीवन की आर्थिक परेशानियों का अंत हो जाता है और जातक के घर–परिवार में मां लक्ष्मी का आशीर्वाद बना रहता है।

धातु का कछुआ : वास्तु शास्त्र के मुताबिक कछुआ मां लक्ष्मी को अत्यंत प्रिय है और इसको आर्थिक समृद्धि से भी जोड़कर देखा जाता है। अगर आप भी चाहते हैं कि मां लक्ष्मी की कृपा आप पर बनी रहे, तो आपको भगवान विष्णु की विधि–विधान से पूजा–अर्चना करनी चाहिए। बता दें कि कछुआ भगवान श्रीहरि का एक अवतार माना जाता है। आर्थिक समृद्धि के लिए घर की उत्तर दिशा में धातु से बने कछुए को जरूर रखना चाहिए।

पिरामिड रखें : वास्तु में क्रिस्टल या फिर किसी और धातु का पिरामिड भी शुभ माना जाता है। यह भी आर्थिक समृद्धि व खुशहाली से जुड़ा होता है। ऐसे में अगर आप भी मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त करना चाहते हैं, तो आपको अपने घर में क्रिस्टल का पिरामिड रखना चाहिए। इससे आपके घर में आर्थिक संपन्नता बनी रहेगी।

धन कुबेर की मूर्ति या तस्वीर : मां लक्ष्मी धन की देवी और कुबेर देव को धन का देवता माना जाता है। इसलिए मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए अपने घर में कुबेर देव की मूर्ति या तस्वीर रखनी चाहिए। इससे मां लक्ष्मी आपके ऊपर मेहरबान रहेंगी।

चांदी का सिक्का : जो भी जातक अपने घर में चांदी का सिक्का रखता है, उसकी ओर मां लक्ष्मी आकर्षित होती हैं। इसलिए आप भी अपने घर के मंदिर में चांदी का सिक्का रखें और इस सिक्के पर रोजाना लाल रंग का तिलक लगाकर लक्ष्मी माता के आगमन का मंत्र ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं श्री सिद्ध लक्ष्म्यै नमः का जाप करें। इससे मां लक्ष्मी की विशेष कृपा दृष्टि आप पर पड़ेगी।

61 दिन बाद शुक्र होने जा रहे हैं उदय, शुरू होंगे मांगलिक कार्य

यूनिक समय, नई दिल्ली। आषाढ़ मास चल रहा है वहीं, लंबे समय से शुक्र अस्त चल रहे थे। अब आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की सप्तमी पर 29 जून को (रात 7:52 बजे) शुक्र पश्चिम दिशा में उदय होंगे। शुक्र के उदय होते है मांगलिक कार्य शुरू होंगे। वहीं, जुलाई में विवाह के शुभ मुहूर्त बन रहे हैं, आइए जानते हैं। काफी लंबे समय से शुक्र अस्त चल रहे थे। ऐसे में मांगलिक कार्य सभी बंद हो चुके थें। मई और जून भर बंद ढोल–नगाड़े और शहनाई की धुन अगले माह गूंजने वाली है। ऐसा इसलिए शुक्र ग्रह 61 दिन बाद उदय होने वाले हैं। इसी के साथ ही मांगलिक कार्य शुरू हो जाएंगे। ज्योतिष के अनुसार, जुलाई में शादी के शुभ मुहूर्च 6 ही पड़ रहे हैं। हालांकि, नवंबर एवं दिसंबर में 17 लग्न मिलेंगे। ज्योतिष के मुताबिक गुरु व शुक्र के अस्त होने, हरिशयनी एकादशी के पहले आने और मासांत दोष की वजह से शुभ लग्न कम ही हैं। ज्योतिष के अनुसार नौ ग्रहों में गुरु, शुक्र और सूर्य का उदय होना जरूरी माना गया है। लेकिन, 29 अप्रैल को शुक्र और 6 मई को गुरु अस्त हो गए। जिसके चलते मई और जून माह में एक भी लग्न नहीं था।

शुभ लग्न कम मिल रहे हैं

ज्योतिष के अनुसार, 17 जुलाई से ही हरिशयनी एकादशी और सूर्य कर्क राशि में प्रवेश करेंगे। कर्क संक्रांति से लग्न कम पड़ जाएंगे। नवंबर में मासांत दोष और दिसंबर खरमास की वजह से लग्न कम मिल रहा है।

जुलाई में गूंजेगी शहनाई

जुलाई से दिसंबर तक शुभ मुहूर्त

जुलाई में 7,9,11,12,13,15, नवंबर में 17,18,22,23,24,25 व 26 और दिसंबर में 2,3,4,5,9,10,13 व 14 को शुभ मुहूर्त बन रहे हैं। सभी गोधूलि बेला से रात में ही मुहूर्त बन रहे हैं।

जबकि हरिशयनी एकादशी से चातुर्मास शुरू हो जाएगा। इसके चलते भी शुभ लग्न बंद हो जाएंगे। इस बार सिर्फ 35 लग्न कम पड़ रहे हैं।

धन, वैभव, सुख–समृद्धि और प्रेम के स्वामी हैं शुक्र

ज्योतिष के अनुसार, मांगलिक कार्य के लिए शुक्र का उदय होना बहुत जरूरी होता है। क्योंकि धन, वैभव, प्रेम, सौंदर्य और सुख–समृद्धि के स्वामी शुक्र ग्रह हैं। इस वजह से शादी सहित सभी मांगलिक कार्य इनके उदय होने पर ही शुरू होते हैं। गुरु, शुक्र और सूर्य के उदय होने पर हर तरह के शुभ मुहूर्त बनते हैं। वहीं, गुरु और रवि का संयोग हो तो और अधिक सिद्धिदायक और शुभ फलदायी होता है।

शुक्र करेंगे जुलाई में दो बार गोचर, इन राशि वालों की होगी चांदी ही चांदी

यूनिक समय, नई दिल्ली। सभी ग्रह अपने निश्चित समय में अवधि को पूरा करने के बाद एक राशि से दूसरी राशि में परिवर्तन करते हैं। धन, वैभव और प्रेम के कारक शुक्र ग्रह जुलाई माह में दो बार गोचर करने जा रहे हैं। इन तीन राशि वालों की होगी बल्ले–बल्ले।

ज्योतिष के अनुसार, सभी ग्रह अपना निश्चित अवधि पूरा करने के बाद राशि परिवर्तन करते हैं। ग्रहों का एक राशि से निकलकर दूसरी राशि में प्रवेश करना गोचर कहा जाता है। ग्रहों के राशि परिवर्तन को बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। क्योंकि, इससे सभी राशियों पर प्रभाव पड़ता है। ज्योतिष शास्त्र के

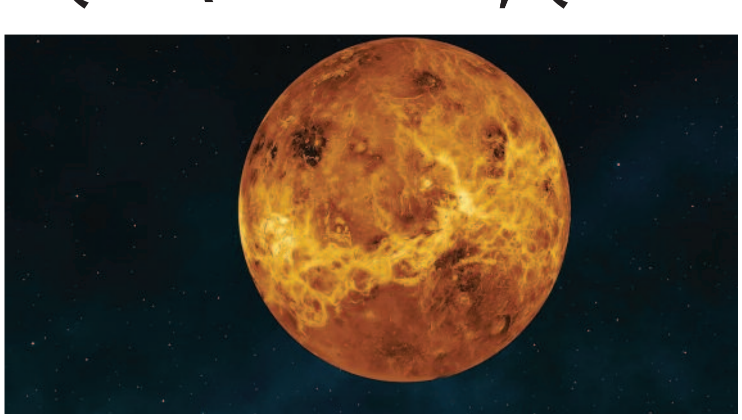

मुताबिक जुलाई का माह अत्यंत महत्वपूर्ण है। क्योंकि इस महीने में धन, वैभव और सुख–समृद्धि के दाता शुक्र ग्रह दो बार गोचर करने जा रहे हैं, जिसमें 7 जुलाई को शुक्र ग्रह कर्क राशि में प्रवेश करेंगे और 31 जुलाई को सिंह राशि में प्रवेश करेंगे। इस बीच कई राशि के जातकों पर सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव रहेगा। चलिए जानते हैं कि किन तीन राशियों के जीवन में काफी बदलाव देखने मिलेगा।

कर्क राशि : कर्क राशि वालों के लिए यह समय बेहद खास होने वाला है। धन संबंधित परेशानियां दूर होगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। आकस्मिक धन की प्राप्ति होगी। नौकरी में आर्थिक रूप से कई लाभ मिलेंगे। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। रुका हुआ धन वापिस आएगा।

मेष राशि : मेष राशि के जातकों के लिए शुक्र का गोचर काफी फलदाई साबित होगा। भौतिक सुख की प्राप्ति होगी। प्रॉपर्टी खरीद सकते हैं। समाज में मान–सम्मान में वृद्धि होगी। सुख–सुविधाओं में वृद्धि होगी। दांपत्य जीवन में मधुरता आएगी।

तुला राशि : तुला राशि वालों के लिए यह समय काफी अच्छा रहने वाला है। नौकरी पेशा में बढ़ोतरी होगी। ऑफिस में सीनियर का साथ मिलेगा। व्यापार में लाभ होगा। मां लक्ष्मी की विशेष कृपा रहेगी।

सार संक्षेप

झारखंड में 3 छात्राओं ने सहपाठी का गला घोंटा

यूनिक समय, नई दिल्ली। झारखंड के गुमला स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय रायडीह के हॉस्टल में चौंकाने वाली घटना हुई है। हॉस्टल में रहने वाली 3 छात्राओं ने अपनी ही सहपाठी की हत्या करने की कोशिश की, लेकिन गार्ड की नजर पड़ गई और उसने छात्रा को बचा लिया। छात्राओं ने उसका चुन्नी से गला घोंट दिया था। तीनों 7वीं की स्टूडेंट हैं और 3 बार हॉस्टल से भाग चुकी हैं। छात्राओं ने वारदात अंजाम देने की वजह बताते हुए कहा कि वे हॉस्टल में रहना नहीं चाहती, लेकिन मां-बाप ने उन्हें जबरन भेज दिया। उन्हें लगा कि इस तरह की वारदात होने से स्कूल बंद हो जाएगा और वे अपने घर चली जाएंगी।

यूपी में 4 दिन नहीं दौड़ेंगी 55 ट्रेनें

यूनिक समय, नई दिल्ली। यात्रीगण कृपया ध्यान दें! यूपी में 4 दिन 55 ट्रेनें नहीं दौड़ेंगी। गोरखपुर-लखनऊइंटरसिटी सहित 55 ट्रेनें निरस्त रहेंगी। क्योंकि गोरखपुर के रास्ते बाराबंकी से छपरा तक तीसरी रेल लाइन (थर्ड लाइन) बिछेगी। लगभग 425 किमी मुख्य रेलमार्ग पर थर्ड लाइन बिछाने का प्रस्ताव तैयार हो चुका है। रेलवे प्रशासन ने थर्ड लाइन के लिए चरणवार सर्वे कार्य शुरू कर दिया है। ऐसे में 4 दिन पैसेंजरों को परेशानी उठानी पड़ेगी।

छत्तीसगढ़ में यात्रियों से भरी बस पलटी

यूनिक समय, नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में यात्रियों से भरी बस अनियंत्रित होकर पलट गई। तोरवा थाना क्षेत्र के लालखदन ओवर ब्रिज पर हादसा हुआ। बस में 50 से अधिक यात्री सफर कर रहे थे। हादसे में एक मासूम की मौत होने की सूचना है। 30 से अधिक लोग घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।

आर्थिक तंगी के कारण उठाया खौफनाक कदम

बच्चों के साथ मां ने खाया जहर, दो की मौत

यूनिक समय, भदोही। परिवार ने आर्थिक तंगी के कारण यह खौफनाक कदम उठाया। आए दिन लोग अपना पैसा लेने के लिए घर पर आते थे। कभी-कभार धमकियां भी दी जाती थीं। पति की मानसिक हालत ठीक न होने के कारण पूरा परिवार कर्ज में डूब गया था। वहीं, मां-बेटी की मौत के बाद पूरे गांव में मातम जैसा माहौल है।

पारिवारिक कलह और आर्थिक तंगी से आजिज आए एक ही परिवार के तीन लोगों ने रविवार को विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। जहर खाने से मां-बेटी की मौत हो गई। वहीं बेटे की स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना को लेकर गांव में तरह-तरह की बातें हो रही हैं।

कोई रैना थाना क्षेत्र के अरई गांव निवासी सुनीत तिवारी की मानसिक हालत ठीक नहीं है। घर में उनकी पत्नी सुमन तिवारी (42) के साथ बेटी कोमल (22), बेटा गोलू (18) और युवराज (20) के साथ परिवार के अन्य सदस्य रहते थे। बताया जा रहा है कि परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी।

परिवार ने गांव में कई समूह वालों से कर्ज ले रखा था, जो आए दिन इनके यहां तगादा को पहुंचते थे। इसी बात को लेकर अक्सर आपस में वाद-विवाद भी होता था। बताया जा रहा है कि रविवार की सुबह भी घर में विवाद हुआ था। विवाद के बाद सुनील की पत्नी सुमन ने बेटी कोमल और बेटे गोलू (18) के साथ विषाक्त पदार्थ खा लिया। जिसके बाद तीनों की हालत बिगड़ने लगी। परिजन मां-बेटी को एक निजी अस्पताल और बेटे को डीघ सीएचसी लेकर गए।

गांव में छा गया मातम

यहां चिकित्सकों ने मां-बेटी को मृत घोषित कर दिया। वहीं, दूसरी तरफ डीघ सीएचसी में भर्ती गोलू की हालत बिगड़ने पर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घर में कीटनाशक दवाओं का खाली रैपर भी मिला।

इस हृदयविदारक घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे कोइरौना थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सहित फ़ॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का गहनता से जांच कर परिजनों से पूछताछ की।

मौके पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य राजकुमार शुक्ल, राजू सिंह, प्रधान प्रतिनिधि अमन सिंह समेत बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। पुलिस ने मां-बेटी के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

आईएएस मनोज कुमार सिंह बने यूपी के मुख्य सचिव

यूनिक समय, लखनऊ। आईएएस मनोज कुमार सिंह को उत्तर प्रदेश का नया मुख्य सचिव बनाया गया है। वह 1988 बैच के आईएएस अफसर हैं। रविवार को दुर्गाशंकर मिश्र का कार्यकाल खत्म हो रहा है। उन्हें चौथी बार सेवा विस्तार नहीं मिला है। उनका कार्यकाल खत्म होने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मनोज कुमार सिंह को मुख्य सचिव बनाए जाने का निर्णय लिया है और आदेश जारी कर दिया है। मनोज कुमार सिंह मुख्य सचिव और आई आई डीसी दोनों होंगे।

आईएएस मनोज कुमार सिंह सीएम योगी के पसंदीदा अफसर माने जाते हैं। उनका नाम पहले दो बार उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव के लिए केंद्र को भेजा गया था। इस बार केंद्र की ओर से उनके नाम पर मुहर लग गई। 25 जुलाई 1965 को जन्मे मनोज कुमार सिंह मूल रूप से झारखंड के रहने वाले हैं। इनकी गिनती वढ के सबसे ईमानदार अफसरों में होती है।

आईएएस मनोज कुमार सिंह उत्तर प्रदेश के मौजूदा समय में सर्विस करने वाले वरिष्ठ अफसरों में से एक हैं। उन पर कई अहम विभागों की जिम्मेदारियां भी हैं। वर्तमान में उनके पास आईआईडीसी, एपीसी और अपर मुख्य सचिव पंचायती राज, सीईओ यूपीडा जैसे कई महत्वपूर्ण विभाग है। आईएएस अधिकारी मनोज कुमार सिंह ने 1990 में उत्तर प्रदेश में सबसे पहले मैनपुरी के ज्वाइंट मजिस्ट्रेट के रूप में अपनी सेवाएं दी थीं।

उत्तर प्रदेश के मऊ जिले के रहने वाले आईएएस अफसर दुर्गाशंकर मिश्र को चौथी बार सेवा विस्तार नहीं मिल सका। इससे पहले उन्हें तीन बार सेवा विस्तार दिया गया। आज इनका कार्यकाल समाप्त हो गया। दुर्गाशंकर मिश्र को दिसंबर 2021 में रिटायर्ड होने से ठीक पहले सेवा विस्तार देते हुए वढ का मुख्य सचिव बनाया गया था। 2022 में भी उनको सेवा विस्तार देते हुए फिर से मुख्य सचिव बनाया गया। साल 2023 में उनके कार्यकाल समाप्त होने से पहले लोकसभा चुनावों को देखते हुए उन्हें 6 महीने का सेवा विस्तार दिया गया था।

अलीगढ़ में जिस युवक की भीड़ ने पीट-पीटकर की हत्या

मृतक समेत नौ लोगों के खिलाफ डकैती का मामला दर्ज

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ की मामू-भांजा कॉलोनी में एक युवक की भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या किए जाने के मामले के करीब दो हफ्ते बाद मृतक समेत 9 लोगों के खिलाफ डकैती समेत भारतीय दंड संहिता की अन्य धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, भीड़ द्वारा हिंसा किए जाने के मामले में गिरफ्तार राहुल मित्तल की मां लक्ष्मी मित्तल की शिकायत पर यह प्राथमिकी दर्ज की गई है। भीड़ द्वारा हिंसा की यह घटना मित्तल के घर के बाहर हुई थी।

लक्ष्मी मित्तल ने अपनी तहरीर में आरोप लगाया है कि 18 जून की रात को मोहम्मद फरीद उर्फ औरंगजेब (35) ने उनके घर में घुसकर उसके साथ छेड़छाड़ करने की कोशिश की और उसने घर से कीमती सामान भी लूट लिया। लक्ष्मी मित्तल ने इस शिकायत में मोहम्मद फरीद, सलमान मोहम्मद जकी और छह अन्य का भी नाम लिया है। उसने अपनी शिकायत में कहा है कि जब उसके परिवार के सदस्य उसे बचाने के लिए दौड़े और उन्होंने आरोपियों को वहां से भगाया, तभी फरीद का संतुलन बिगड़ गया और वह सीढ़ियों से नीचे गिर गया जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस शिकायत के आधार पर मृतक और अन्य आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 354 (महिला को निर्वस्त्र करने के इरादे से आपराधिक बल का प्रयोग) और 395 (डकैती) के तहत मामला दर्ज किया है।

पुलिस ने आधिकारिक तौर पर इस बात का कोई कारण नहीं बताया है कि लूट का मामला घटना के इतने दिनों बाद क्यों दर्ज किया गया। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) राकेश कुमार सिसोदिया ने बताया, "हाल में सामने आए कुछ तथ्यों के मद्देनजर 9 लोगों के खिलाफ लूट का मामला दर्ज किया गया है, जिनमें दो अज्ञात और बाकी नामजद हैं।" इसके हिंसा में मारे गए फरीद के परिवार द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत में आरोप लगाया गया है कि मोहम्मद फरीद 18 जून को जब काम से घर लौट रहा था, तब मामू भांजा इलाके में चोरी के संदेह में कुछ लोगों ने उसे घेर लिया और उसकी पिटाई कर दी। शिकायत में कहा गया है कि पुलिस जब तक मौके पर पहुंची, फरीद गंभीर रूप से घायल हो चुका था और उसे मलखान सिंह अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

अफसर हो गए हैरान

पांच मिनट में डीएसपी का बना दिया फर्जी आधार कार्ड

यूनिक समय, बरेली। आर्मी इंटेलिजेंस के इनपुट पर बरेली पुलिस ने पांच जालसाजों को अरेस्ट किया है। ये जालसाज जन सेवा केंद्र की आड़ में लोगों से मोटी रकम लेकर फर्जी आधार, पैन, आयुष्मान कार्ड के अलावा जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र बना रहे थे। इन जालसाजों ने महज पांच मिनट में डीएसपी का भी फर्जी आधार बनाकर दे दिया था।

उत्तर प्रदेश में बरेली पुलिस ने जालसाजों के एक गिरोह का खुलासा है। इस गिरोह के लोग मोटी रकम लेकर आयुष्मान कार्ड से लेकर जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र, फर्जी आधार कार्ड, पैन गार्ड एवं अन्य दस्तावेज तैयार करते थे। इनके संबंध में आर्मी एंटिलेंजेस को इनपुट मिले थे। इस इनपुट का सत्यापन करने के लिए पहचान बदल कर बरेली पुलिस के डीएसपी पंकज श्रीवास्तव आरोपियों के ठिकाने पर पहुंचे। उन्होंने आरोपियों से आधार कार्ड बनाने को कहा तो महज 5 मिनट में उनके सामने ही अधार कार्ड बनाकर दे दिया।

इसके बाद पुलिस ने 5 आरोपियों को मौके से अरेस्ट किया है। पुलिस के मुताबिक लखनऊ आर्मी इंटेलिजेंस के जालसाजों के इस ठिकाने के बारे में इनपुट मिले थे। इसमें बताया गया था कि फरीदपुर और बिथरी चैनपुर के आसपास जन सेवा केंद्र में फर्जी आयुष्मान कार्ड फर्जी आधार कार्ड फर्जी पैन कार्ड बनाए जा रहे हैं।यही इनपुट आर्मी इंटेलिजेंस ने पुलिस को दिया। इसके बाद एसएसपी बरेली ने सीओ सिटी पंकज श्रीवास्तव के नेतृत्व में टीम का गठन करते हुए जालसाजों के ठिकाने की पड़ताल को कहा।

पुलिस टीम जब मौके पर पहुंची तो वहां फरीदपुर निवासी अवनीश यादव और साजिद को गिरफ्तार किया।इसी प्रकार बिथरी चैनपुर के ग्राम बिचपुरी पहुंची, जहां से सुशील, बबलू कश्यप और अनुज को अरेस्ट किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 5 लैपटॉप, 6 वेब कैमरा, 4 प्रिंटर एक टैबलेट एक फिंगरप्रिंट स्कैनर, दो आई स्कैनर, 6 डिवाइस, 57 आधार कार्ड, 4 आयुष्मान कार्ड, तीन पैन कार्ड, एक वोटर आईडी कार्ड, तीन पैन कार्ड, 11 डेबिट कार्ड, 555 आधार कार्ड की छाया प्रति, 30 सिम कार्ड, एक जन्म प्रमाण पत्र और एक लाख 26 हजार रुपए बरामद हुए हैं। पुलिस ने बताया कि सभी आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर जेल भेज दिया है।

तेज रफ्तार कार पेड़ से टकराकर पांच मीटर गहरे गड्ढे में गिरी

तीन घंटे तक तड़प-तड़पकर दरोगा की मौत

यूनिक समय, सोनभद्र। नए कानून के प्रशिक्षण के लिए जा रहे पुलिसकर्मी (दरोगा) की रास्ते में मौत हो गई। तेज रफ्तार कार एक पेड़ से टकराकर जंगल में 5 मीटर गहरे गड्ढे में पलट गई। एक्सीडेंट में दरोगा घायल हो गए। तीन घंटे तक घायल दरोगा दर्द से तड़पते रहे। आखिर में तड़प-तड़पकर दरोगी के प्राण निकल गए। राहगीरों की सूचना पर पुलिस पहुंची दरोगा को अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। दर्दनाक हादसा सोनभद्र के हाथीनाला थाना क्षेत्र के जंगल में हुआ।

जानकारी के मुताबिक, गाजीपुर के परसदा गांव निवासी दरोगा उमेश राय की पांच माह पहले ही सोनभद्र के विंधमगंज थाने में तैनाती हुई थी। सोनभद्र में रविवार को नए कानून का प्रशिक्षण होना था। शनिवार रात को 45 साल के उमेश प्रशिक्षण के लिए निकले। हाथीनाला के जंगल में पहुंचते ही दरोगा की गाड़ी अनियंत्रित हो गई और एक पेड़ से टकराकर 5 फीट गड्ढे में जा गिरी। हादसे में उमेश की मौत हो गई। तीन घंटे बाद एक राहगीर की नजर दरोगा पर पड़ी तो वह थाने पहुंचा और पुलिस को घटना के बारे में बताया। तब पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और दरोगा को अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दरोगा के परिजन को सूचना दे दी है। शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। दुद्दी से हाथी नाला के बीच 17 किलोमीटर तक जंगल में कोई नेटवर्क नहीं पकड़ता। माना जा रहा है कि हादसे के बाद दरोगा ने फोन मिलाने की कोशिश की हो, लेकिन नेटवर्क न होने से फोन न लगा हो। जिसके बाद वो घायल ही जंगल में तीन घंटे तक पड़े रहे। कोई भी मदद के लिए नहीं आ पाया।

UNICOM ADVERTISING
BOOK YOUR CLASSIFIED ADS IN JUST 3 Easy Steps
CALL +91 9837115157
E-MAIL Send Advertisement Details to: informunicom@gmail.com
PAY Online through- PAYTM

अगले कुछ दिनों तक इन राज्यों में होगी मूसलाधार बारिश

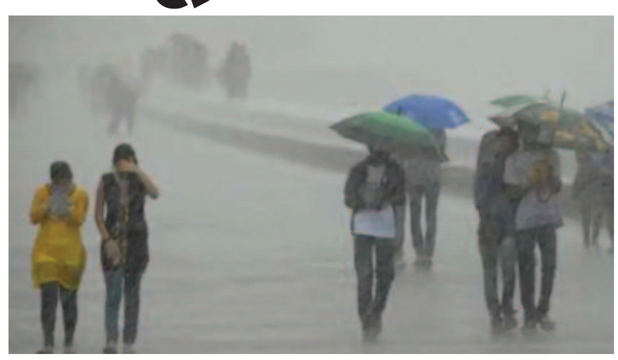

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अगले 4 से 5 दिनों तक उत्तर पश्चिम और पूर्वोत्तर भारत में मूसलाधार बारिश की भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग ने शनिवार को बताया कि वर्तमान में कम दबाव का क्षेत्र उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर स्थित है, जो उत्तरी ओडिशा-पश्चिम बंगाल तटों के करीब है। इस बीच, दिल्ली के बाद गुजरात में भारी बारिश के दौरान राजकोट हीरासर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर छत का एक हिस्सा गिर गया।

मौसम विभाग ने कहा है कि पूर्वोत्तर राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश के पूर्व, उत्तर-पश्चिम में निचले क्षोभमंडल स्तर पर साइक्लोनिक सर्कुलेशन का निर्माण हुआ है। उत्तर प्रदेश के उत्तर-पश्चिम हिस्से से निम्न दबाव वाले क्षेत्र की एक प्रणाली बन गई है। मौसम विभाग ने कहा कि मौसम की इन प्रणालियों के कारण 29 जून से 3 जुलाई तक हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान में अलग-अलग हिस्से में भारी बारिश होने का अनुमान है। छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदानी क्षेत्र, झारखंड और ओडिशा में 30 जून को और बिहार में 30 जून से 2 जुलाई तक भारी बारिश होने का अनुमान है।

मौसम विभाग ने इस अवधि के दौरान उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी मध्य प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में बहुत भारी बारिश का भी अनुमान जताया है। पूर्वोत्तर में असम के उत्तर-पूर्वी हिस्से में एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन अगले 5 दिन में पश्चिम बंगाल, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में हल्की से मध्यम वर्षा, गरज के साथ बौछारें, बिजली गिरने और कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी वर्षा लाएगा।

अरुणाचल प्रदेश में 30 जून को कुछ जगहों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने का अनुमान है। मौसम विभाग ने यह भी कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून शनिवार को पूर्वी उत्तर प्रदेश के बाकी हिस्से और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में आगे बढ़ गया है।

आईएमडी ने कहा कि अगले दो से तीन दिन में पश्चिमी राजस्थान, हरियाणा, चंडीगढ़, पंजाब के ज्यादातर हिस्से और पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और जम्मू के बाकी इलाकों में मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं।

सार संक्षेप

छत्तीसगढ़ के डॉक्टर ने किया जानलेवा कारनामा

यूनिक समय, नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर में मेडिकल शॉप चलाने वाले ने जानलेवा कारनामा कर दिया है। उसने दवाई लेने आई महिला की सर्जरी कर दी, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। 55 वर्षीय महिला गांव के ही मेडिकल स्टोर पर बवासीर की दवाई लेने आई थी। गंभीर हालत में परिजनों ने उसे अम्बिकापुर मिशन हॉस्पिटल में भर्ती कराया है। सर्जरी के बाद महिला से दुकानदार ने 23 हजार रुपये भी लिए। जिले के वाड्रफनगर विकासखंड के ग्राम पंडरी का मामला है।

अमेरिका में 13 साल के बच्चे को पुलिस ने मारा

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में एक पुलिस वाले ने 13 साल के बच्चे की हत्या कर दी। उसने बच्चे को पीछा करते हुए गोली मारी, क्योंकि रुकने के लिए कहने पर वह और उसक दोस्त रुके नहीं, बल्कि वे भागने लगे। उन्होंने हैंडगन जैसी चीज दिखाई तो पुलिस कर्मी ने उस पर गोली चला दी। जांच में पता चला कि हैंडगन पेलेट गन की नकल थी।

भोपाल एयरपोर्ट को उड़ाने की धमकी मिली

यूनिक समय, नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के भोपाल एयरपोर्ट को एक बार फिर उड़ाने की धमकी मिली है। पिछले 6 महीने में चौथी बार एयरपोर्ट को उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी ईमेल के जरिए भेजी गई। मामले में एफआई आर दर्ज कर ली गई है। धमकी मिलने के बाद बम स्क्वॉयड दल ने एयरपोर्ट की जांच की, लेकिन जांच के बाद बम की खबर अफवाह निकली। रात करीब 12:30 बजे के करीब अज्ञात व्यक्ति ने ईमेल भेजा था। गांधी नगर थाना क्षेत्र में मामला दर्ज करवाया गया है।

पुरी के लिए रेलवे दौड़ाएगा 315 स्पेशल ट्रेनें

यूनिक समय, नई दिल्ली। भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा आज है। इसके लिए रेलवे की ओर से विशेष इंतजाम किए गए हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा के लिए रेलवे की ओर से विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। 315 विशेष ट्रेनें दौड़ाई जाएंगी। 15,000 लोगों के लिए होल्डिंग एरिया बनाया जा रहा है। शौचालय परिसर भी बनाया गया है। सुरक्षा के कड़े इंतजाम भी किए गए हैं।

भारत के नए सेना प्रमुख बने जनरल उपेंद्र द्विवेदी

यूनिक समय, नई दिल्ली। जनरल उपेंद्र द्विवेदी मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं और उन्होंने सैनिक स्कूल रीवा (एमपी) से पढ़ाई की है। वे जनवरी 1981 में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में शामिल हुए और 15 दिसंबर 1984 को उन्हें जम्मू और कश्मीर राइफल्स की 18वीं बटालियन में कमीशन मिला। भारतीय सेना को नया प्रमुख मिल चुका है। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने 30 जून 24 को भारतीय सेना की कमान संभाली। इससे पहले, वे 24 फरवरी से उप सेना प्रमुख थे। उन्हें परम विशिष्ट सेवा पदक, अति विशिष्ट सेवा पदक और तीन जीओसी-इन-सी प्रशस्ति पत्र मिल चुके हैं। वे मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं और उन्होंने सैनिक स्कूल रीवा (एमपी) से पढ़ाई की है। वे जनवरी 1981 में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में शामिल हुए और 15 दिसंबर 1984 को उन्हें जम्मू और कश्मीर राइफल्स की 18वीं बटालियन में कमीशन मिला, जिसकी कमान उन्होंने बाद में कश्मीर घाटी और राजस्थान के रेगिस्तान में संभाली।

हिमस्खलन से मचा हाहाकार, मंदिर को नहीं हुआ नुकसान

केदारनाथ में बाल-बाल बचे लोग

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तराखंड में चार धाम यात्रा शुरू होने के बाद से भक्तों का सैलाब उमड़ा हुआ है। भोलेनाथ के भक्त लगातार केदारनाथ का रुख करते नजर आ रहे हैं। बड़ी संख्या में भक्तों की भीड़ हर रोज केदारनाथ पहुंच रही है, मगर इसी बीच एक बड़ा हादसा होते-होते रह गया। मंदिर के ठीक सामने वाले पहाड़ पर अचानक से हिमस्खलन हो गया। इसे देखने के बाद मंदिर के आसपास खड़े लोगों में भी हाहाकार मच गया।

केदारनाथ में हुए इस हिमस्खलन का वीडियो सामने आया है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि मंदिर के पीछे वाले पहाड़ पर अचानक हिमस्खलन होता है। वहीं हिमस्खलन में टूटी हुई बर्फ तेज रफ्तार से नीचे की तरफ आ रही है। इस नजारे को देखकर कई लोगों के होश उड़ गए। हालांकि मंदिर के पीछे बने गांधी सरोवर के कारण हिमस्खलन वहीं रुक गया और आगे नहीं बढ़ सका। इससे मंदिर परिसर में मौजूद हजारों लोगों की जान बच गई। वहीं केदारनाथ मंदिर को भी कोई नुकसान नहीं हुआ। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस हादसे में कोई जान-माल की हानि नहीं हुई है और मंदिर भी पूरी तरह से सुरक्षित है।

बिहार के बाद झारखंड में हादसा

साढ़े 5 करोड़ में बना पुल ध्वस्त

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार के बाद झारखंड में भी पुल ध्वस्त हो गया है। करीब साढ़े पांच करोड़ की लागत से अरगा नदी पर पुल बन रहा है, लेकिन आज मानसून की बारिश होने के बाद नदी में पानी का जलस्तर बढ़ने से पुल ढह गया। हालांकि हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन पुल ढहने से एक बात का अंदाजा हो गया है कि इस पुल का निर्माण भी भ्रष्टाचार के आधार पर हो रहा है। पुल का निर्माण पथ निर्माण विभाग द्वारा कराया जा रहा था। हादसा बिहार बॉर्डर से सटे झारखंड के गिरिडीह जिले के भेलवाघाटी में हुआ। पुल फतेहपुर-भेलवाघाटी हाईवे को दूसरे हाईवे से कनेक्ट करने के लिए बनाया जा रहा है। डुमरीटोला और कारीपहरी गांव के बीच बना पुल का हिस्सा ध्वस्त हुआ है और मलबा भी नदी के पानी में बह गया। पुल के इस तरह ध्वस्त हो जाने से लोगों में आक्रोश है। वे प्रशासन पर सवाल उठा रहे हैं। बता दें कि बिहार में पिछले

मानसून की बारिश सह न पाया अरगा नदी पर बना ब्रिज

11 दिन में 5 पुल ध्वस्त हो चुके हैं। सबसे पहले 18 जून को पुल ढहा था। वह पुल अररिया में बकरा नदी पर बन रहा था और उसके निर्माण में करीब 12 करोड़ खर्च हुए थे। 22 जून को सिवान में गंडक नदी पर बन रहा पुल ध्वस्त हुआ था। यह पुल करीब 45 साल पुराना था। हर दूसरे दिन पुल ढह रहे हैं। प्रशासन अधिकारियों पर लापरवाही बरतने और निर्माण कंपनी पर घटिया निर्माण सामग्री इस्तेमाल करने के आरोप लग रहे हैं।

पंजाब के होशियारपुर में हुआ भीषण हादसा

चार लोगों की मौत, मृतकों में बच्चा भी शामिल

यूनिक समय, नई दिल्ली। पंजाब में एक बड़ा हादसा हुआ है। एक कार की ट्रक से टक्कर हो गई है। इस टक्कर में कार के परखच्चे उड़ गए। वहीं हादसे में 6 साल के बच्चे समेत 4 लोगों की मौत हो गई है। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर गाड़ियों को कब्जे में ले लिया है। वहीं शवों को भी पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

हादसा पंजाब के होशियारपुर में हुआ है। शनिवार की सुबह करीब 7 बजे टोयोटा कार को एक टैंकर ट्रक ने टक्कर मार दी। कार में ड्राइवर समेत पांच लोग सवार थे। एसएसआई राजेश कुमार के अनुसार, हादसा काफी भीषण था। हादसे में ड्राइवर सहित 4 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 6 साल का बच्चा भी शामिल था। एक महिला बुरी तरह से जख्मी है। उसे अस्पताल में भर्ती किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार, कटरा निवासी फारुख अहमद अपने भाई आरिफ अहमद, पत्नी सारिश नजनीन के साथ पंजाब आया था। कार में 2 बच्चे मोबिश (17) और अर्शलान (16) भी थे। हादसे में फारुख, आरिफ, अर्शलान और मोबिश की मौत हो गई। वहीं सारिश बुरी तरीके से घायल है। सारिश को अमृतसर के अस्पताल में एडमिट किया गया है। उसका अभी इलाज चल रहा है। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए सिविल हॉस्पिटल ले जाया गया है। शुरुआती जांच में पुलिस को पता चला है कि फारुख के भाई आरिफ अहमद की तबियत खराब थी। वह पिछले कई दिन से बीमार चल रहा था। चंडीगढ़ में आरिफ का इलाज करवाने के लिए सभी सुबह 3 बजे कटरा से निकले। 7 बजे के करीब होशियारपुर-टांडा रोड पर एक टैंकर ने कार को टक्कर मार दी। पुलिस ने मामले की शिकायत दर्ज कर ली है और मामले की तहकीकात जारी है। पुलिस का कहना है कि टक्कर के फौरन बाद ट्रक ड्राइवर मौके से फरार हो गया। ट्रक हिमाचल प्रदेश का है। पुलिस ड्राइवर की तलाश में जुटी है।

एनआईए ने पाकिस्तानी संगठन से जुड़े दस ठिकानों पर मारा छापा

यूनिक समय, नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने रविवार को तमिलनाडु में रेड की। एनआई ने हिज्ब उत तहरीर मामले में एक्शन लेते हुए 10 लोकेशन पर छापेमारी की। पकिस्तानी संगठन हिज्ब उत तहरीर से जुड़े संदिग्धों के ठिकानों पर एनआईए ने छापेमारी को अंजाम दिया। साथ ही इस मामले में एनआई ने 2021 में एक शख्स की गिरफ्तारी भी की थी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आईएसआईएस से जुड़े चरमपंथी इस्लामी संगठन हिज्ब-उत-तहरीर की जांच के तहत रविवार सुबह तमिलनाडु में यह छापेमारी अंजाम दी। एजेंसी ने चेन्नई, त्रिची, पुदुकोट्टई, तंजावुर, इरोड और थिरुप्पुर सहित कई स्थानों पर छापे मारे।

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय :- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक-पवन गौतम। फोन नंबर-0565-2420150, मो। 9837155888 E-mail : uniquesamaynews@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053